आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र 'कर्फ़्यू' में जिला संवाददाताओं की ।

इच्छुक लोग शीघ्र सम्पर्क करें ।

मो. 9305086477

हिन्दी दैनिक

कर्फ़्यू

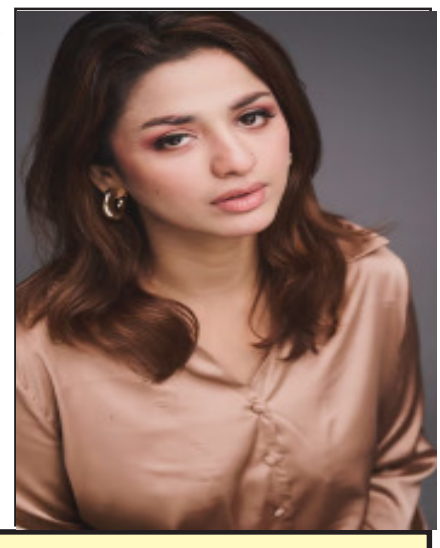

वर्ष :21 अंक : 08 | लखनऊ, शुक्रवार 12 दिसम्बर , 2025 | पृष्ठ 08 | मूल्य 1.00 रूपया

मुख्यमंत्री योगी ने आजमगढ़ में एसआईआर के लिए जनप्रतिनिधियों को जागरूक किया

आजमगढ़ा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अभियान के प्रति जनप्रतिनिधियों को जागरूक किया तथा अधिकारियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की। आजमगढ़ के दौरे पर आये मुख्यमंत्री ने मंडल के तीनों जिले... आजमगढ़, मऊ और बलिया के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। योगी ने बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया है कि भाजपा और सहयोगी दलों के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर जाकर मतदाताओं से सीधा संपर्क करें और जिनका नाम दर्ज नहीं है, उन्हें सूची में शामिल कराया जाए। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता आम जनता के बीच जाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और अपात्र का नाम सूची में दर्ज न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना एक मजबूत और समावेशी लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में शामिल हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने बताया कि बैठक का मुख्य विषय एसआईआर रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों का विस्तृत डेटाबेस सौंपते हुए मृतक और लापता मतदाताओं की संदेहास्पद संख्या पर चिंता जताई है।

वंदे मातरमको वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला, जो उसे मिलना चाहिएः नड्डा

नयी दिल्ली: राज्यसभा में बृहस्पतिवार को सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए और उन्होंने इसके लिए आजादी के बाद देश की पहली सरकार के शासक को जिम्मेदार ठहराया। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में हुई चर्चा के अंत में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिन में 80 से अधिक सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो बताता है कि यह विषय कितना सम-सामायिक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है। उन्होंने कहा कि यह गीत आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत सी घटनाओं का गवाह रहा है। उन्होंने कहा कि यह गीत मां भारती की आराधाना है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासक जब देश में अपना

राष्ट्र गीत थोपना चाहते थे, उस समय बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखकर पूरे भारत को जागृत कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह गीत रूपी मंत्र इतना कारगर साबित हुआ कि ब्रिटिश शासकों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और जो कोई इसे गाता था उसे जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया जाता था। उन्होंने कहा कि वी डी सावरकर को जिन आरोपों में दो उम्रकैद की सजा पर काला पानी भेजा गया, उनमें वंदे मातरम् के नारे लगाना शामिल था। उन्होंने कहा कि महर्षि अरविन्द को भी वंदे मातरम् के कारण जेल जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि जब खुदीराम बोस फांसी के फंदे पर चढ़े तो उनके मुख पर अंतिम शब्द वंदे मातरम् ही थे। नड्डा ने कांग्रेस के जयराम रमेश द्वारा चर्चा में भाग लेते समय लगाये गये इस आरोप का जिक्र किया कि इस चर्चा का एक ही मकसद है, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना। सदन के नेता ने कहा, ह्यहमारा उद्देश्य भारत के पूर्व प्रधानमंत्री को बदनाम करना नहीं, पर हमारा मकसद भारत के इतिहास के तथ्यों को सही प्रकार से रखने का है। उन्होंने याद दिलाया कि जब भी कोई घटना होती है तो जिम्मेदार सरदार ही होता है।

सार संक्षेप

गिरावट से उबरे शेयर बाजार, 427 अंक उछला सेंसेक्स, निवेशकों का विश्वास मजबूत

मुंबई : रिजर्व बैंक द्वारा 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदने से गुरुवार घरेलू शेयर बाजारों में उत्साह देखा गया और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 426.86 अंक (0.51) प्रतिशत की उछलकर 84,818.13 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 140.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त में 25,898.55 अंक पर बंद हुआ। लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजारों में रौनक लौटी है। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने के उपायों के तहत आज 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की। दूसरे चरण में 18 दिसंबर को इतने ही मूल्य की और सरकारी प्रतिभूतियां खरीदने की उसकी योजना है। इससे निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है।

डॉलर के मुकाबले रुपया धड़ाम! 90.37 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई : अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को तेज गिरावट का शिकार हुआ और 43 पैसे लुढ़ककर 90.37 के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। भारत,अमेरिका व्यापार समझौते के मार्च 2026 तक टलने की खबरों के बाद कारोबार के दौरान रुपए पर दबाव और बढ़ा, जिसके चलते यह इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में एक समय 54 पैसे टूटकर 90.48 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक जा पहुंचा। करेंसी ट्रेडर्स के अनुसार, व्यापार समझौता आगे खिसकने की संभावना ने निवेशकों के बीच रिस्क-ऑफ सेंटीमेंट बढ़ाया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के बयान के बाद बाजार में यह धारणा मजबूत हुई कि सौदा अब मार्च 2026 तक ही पूरा हो पाएगा। इसके साथ ही आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ी मांग, मैक्सिको द्वारा भारत और एशियाई देशों पर 50: तक आयात शुल्क लगाने की घोषणा, तथा ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव ने भी रुपये पर दबाव डाला। रुपये ने आज 89.95 पर शुरूआत की थी लेकिन जल्दी ही कमजोर होकर 90.48 के स्तर तक फिसल गया। पिछला बंद भाव 89.87 प्रति डॉलर था। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी हेड और ईडी अनिल कुमार भंसाली के मुताबिक, सीईए की टिप्पणी के बाद रुपये में तेज गिरावट आई।

रामगोपाल के हत्यारों को सुनाई गई सजा, सरफराज को फांसी

बहराइचः यूपी के बहराइच में रामगोपाल हत्याकांड मामले में दोषियों को सजा सुना दी गई है। मुख्य दोषी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि,आठ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। एक अन्य दोषी सैफ अली को आठ वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक-एक लाख का जुमार्ना लगाया गया है। घटना 13 अक्तूबर 2024 की है। जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल की हत्या कर दी गई थी।इससे पहले बुधवार को आए फैसले में अदालत ने मुख्य आरोपी सरफराज उर्फ रिंकू, उसके पिता अब्दुल हमीद, दो भाइयों फहीम और तालिब उर्फ सबलू सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। बृहस्पतिवार दोपहर बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। केस को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी रही।कचहरी में दिनभर तनाव और उत्सुकता सजा का फैसला आने से पहले कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोग, मृतक पक्ष के परिजन और वकील लगातार कोर्ट की कार्रवाई पर नजर रखे हुए थे। सभी की निगाहें अदालत द्वारा सुनाई जाने वाली सजा पर टिकी रहीं। फैसला आने के बाद लोगों में चचाएं तेज हो गईं। जानें पूरा मामला... रामगोपाल हत्याकांड को 14 महीने पूरे होने वाले हैं। यह वही घटनाक्रम है, जिसने दशहरे जैसे पावन पर्व पर पूरे जिले को हिंसा की आग में झोंक दिया था। पीएसी तैनात हुई, रैपिड एक्शन फोर्स को उतारा गया। डीएम-एसपी खुद डटीं। इसके बाद भी हालात नियंत्रित नहीं हुए। मुख्यमंत्री योगी ने हस्तक्षेप किया और यूपी एटीएस चीफ अमिताभ यश को जिम्मेदारी सौंपी, तब धीरे-धीरे हालात सामान्य होने शुरू हुए। 13 अक्तूबर का जिक्र करते ही रामगोपाल की मां मुन्नी देवी टूट जाती हैं। कुछ बोलती नहीं...आखों से आंसू फूट पड़ते हैं। सिसकियों के बीच बेटे का नाम लेती रहती हैं। पत्नी रोली मिश्रा की आंखें न्याय के इंतजार में पथरा गई हैं। बेटे की हत्या के बाद से ही पिता कैलाश नाथ मिश्र की तबीयत खराब चल रही है। पिता अभी मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। सांस लेने में तकलीफ है।

ट्राला से टकराई श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो, तीन की मौत

अयोध्या : जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के कल्याण भदरसा के पास प्रयागराज हाईवे पर बृहस्पतिवार की भोर में लगभग पांच बजे श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो अनियंत्रित होकर ट्राला से टकरा गई। हादसे में बोलेरो सवार दो महिलाओं समेत तीन की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। मध्य प्रदेश के रीवा जिले के मऊगंज निवासी चित्रसेन पटेल (50) परिवार के 10 लोगों के साथ रामलला का दर्शन करने अयोध्या आ रहे थे। वह लोग बोलेरो से बुधवार को निकले थे। बृहस्पतिवार की भोर में लगभग पांच बजे सभी कल्याण भदरसा के पास पहुंचे तो चालक को अचानक

नींद लगी और वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राला में भिड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लिया और अफसरों को घायलों की हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। वहीं, मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।हादसे में बोलेरो सवार चित्रसेन की बेटी अंकिता पटेल (25), महेंद्र मणि पटेल की पत्नी मीराबाई (25) व चालक राम यश मिश्रा (50) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चित्रसेन उनकी पत्नी चंद्रकला (45), बेटा तनुज पटेल (20) व दीपक कुमार पटेल (35), सरोज मणि पटेल की पत्नी कुसुम (35) और बेटा आशीष पटेल (23), हरिकेश का पांच साल का बेटा शिवांश पटेल व पत्नी शशि पटेल (30) गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर आई पूराकलंदर पुलिस ने घायलों को तीन एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक मनोज शर्मा ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घायलों का इलाज चल रहा है। दोनों वाहनों को कब्जे में लिया गया है।

आजम खां को कोर्ट से राहत

सेना पर विवादित बयान में बरी, बेटे के साथ रामपुर जेल में है बंद

रामपुरः सेना पर विवादित बयान के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिल गई है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सपा नेता को दोषमुक्त करार दिया है। यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज कराया था।आरोप था कि आजम खां सपा कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते समय केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे और इसी दौरान उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। पुलिस ने जांच पूरी कर आजम खां के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी।यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चला। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों को

सुनने के बाद कोर्ट ने आजम खां को बरी कर दिया है। 13 मामलों में आ चुका है फैसला, सात में हो चुकी है सजा सपा नेता आजम खां पर 84 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से 13 मामलों में कोर्ट फैसला सुना चुका है। इनमें से सात मामलों में उन्हें सजा हो चुकी है, जबकि शेष मामलों में वह बरी हो चुके हैं। रामपुर जेल में बेटे के साथ बंद हैं आजम दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ सात साल की सजा काट रहे हैं। कोर्ट ने दोनों पिता-पुत्र को दो पैन कार्ड मामले में सात-सात साल की सजा सुनाई है। अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में भी सजा दी जा चुकी है। फिलहाल दोनों रामपुर जेल में बंद हैं।

जयराम रमेश ने राजनाथ को सौंपी मणिबेन की डायरी

नेहरू पर उनके दावे को बताया गलत, बाबरी मस्जिद से जुड़ा है मामला

नयी दिल्ली : कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को वल्लभभाई पटेल की पुत्री मणिबेन पटेल की गुजराती में लिखी डायरी की प्रविष्टियों की एक प्रति सौंपी और उन्हें बताया कि उनमें उनके इस दावे का कोई जिक्र नहीं है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू सरकारी धन का उपयोग करके बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे। संसद के मकर द्वार के बाहर रक्षा मंत्री के कार से उतरते ही रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने सिंह को बताया कि वह विशेष रूप से उनके लिए गुजराती में मणिबेन पटेल की डायरी प्रविष्टियां लाए हैं, जिस पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, हमारे पास यह अंग्रेजी में है। गुजराती में मूल डायरी प्रविष्टियों वाले कागजात एक पुस्तक में प्रकाशित हुए हैं। इसका हिंदी अनुवाद भी उन्हें सौंपते हुए रमेश ने उन्हें इसे पढ़ने के लिए कहा। राजनाथ सिंह ने जवाब दिया कि उन्हें गुजराती नहीं आती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि डायरी की प्रविष्टियों में सिंह के इस दावे का कोई उल्लेख नहीं है कि नेहरू सार्वजनिक धन का उपयोग करके बाबरी मस्जिद का निर्माण करना चाहते थे। रमेश ने रक्षा मंत्री के एक हालिया बयान का हवाला देते हुए बीते छह दिसंबर को कहा था कि देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में झूठ फैलाने के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया था कि राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपने रिश्ते को बेहतर करने के मकसद से यह बयान दिया। राजनाथ सिंह ने पिछले दिनों गुजरात में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि जवाहरलाल नेहरू सरकारी धन से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने उनकी योजना सफल नहीं होने दी।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस दे रहे स्टार्टअप को गति

लखनऊ। यूपी में 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भारत की तकनीकी अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। यह स्टार्टअप क्रांति को गति देने का काम कर रहे है। सरकार का यह कदम स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बना रहा है। साथ ही उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने की ओर कदम बढ़ा रही है। ये केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, मेडटेक, टेलीकॉम, ड्रोन, एडिटिव, मैन्युफैक्चरिंग और ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। प्रदेश सरकार का मानना है कि इन अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवा विश्व स्तरीय स्टार्टअप खड़े कर सकेंगे और प्रदेश को नए रोजगार अवसरों का बड़ा केंद्र बनाएंगे। सेंटर ऑ$फ एक्सीलेंस में चयनित प्रोडक्ट आधारित स्टार्टअप को जो सुविधाएं प्रदान की जा रही है उनमें उच्च स्तरीय लैब, को-वर्किंग स्पेस, रिसर्च सपोर्ट, प्रोडक्ट टेस्टिंग और विशेषज्ञ मेंटरशिप शामिल हैं। इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि किसी भी प्रतिभाशाली युवा को संसाधनों के अभाव में पीछे हटना पड़े।

इन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए वित्तीय सहायता का भी मजबूत ढांचा तैयार किया है। साथ ही आईटी एवं स्टार्टअप सेक्टर के कंसलटेंट सुनील गुप्ता ने बताया कि सेंटर ऑ$फ एक्सीलेंस का प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य कृषि, शिक्षा और स्वच्छता जैसे सामाजिक क्षेत्रों में भी विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थापित 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्षेत्रीय विकास को भी गति दे रहे हैं। जिससे छोटे शहरों के युवाओं को भी विश्व स्तरीय सुविधाएं अपने ही प्रदेश में ही उपलब्ध हो रही है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस आधुनिक अर्थव्यवस्था का इंजन कहा जाता है । यह ऐसे विशेषीकृत संस्थान होते हैं जो किसी एक उन्नत तकनीक या क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण, उत्पाद, विकास और उद्योग सहयोग के केंद्र के रूप में काम करते हैं। यहां पर स्टार्टअप और युवा उद्यमियों को उच्च स्तरीय लैब सुविधाएं, प्रोडक्ट परीक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और उद्योग जगत से नेटवर्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं।

राहुल गांधी का दावा: संसद में बहुत नर्वस थे अमित शाह

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि लोकसभा में बुधवार को अपनी बात रखते हुए गृह मंत्री अमित शाह बहुत नर्वस नजर आए तथा उन्होंने बहस की चुनौती पर कोई जवाब नहीं दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरे देश ने देखा कि अमित शाह मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, अमित शाह जी कल संसद में बड़े नर्वस थे। उनके हाथ कांप रहे थे, उन्होंने गलत भाषा का इस्तेमाल किया। अमित शाह जी मानसिक रूप से बहुत दबाव में हैं, जो कल पूरे देश ने देखा।

उन्होंने कहा, मैंने श्वोट चोरीश से जुड़ी जो बातें कहीं, उसका गृह मंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। मैंने अमित शाह जी को मेरे संवाददाता सम्मेलनों पर बहस करने के लिए सीधी चुनौती दी, जिसका भी कोई जवाब नहीं आया। राहुल गांधी का कहना था कि सभी जानते हैं कि सच क्या है। कांग्रेस नेता ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती दी थी कि वह वोट चोरी से संबंधित उनके तीन संवाददाता सम्मेलनों को लेकर उनसे बहस कर लें। दरअसल निचले सदन में, चुनाव सुधारों पर चर्चा में भाग लेते हुए गृह मंत्री ने राहुल गांधी के हालिया तीन संवाददाता सम्मेलनों का उल्लेख करते हुए उनके तथ्यों को असत्य करार दिया जिनमें नेता प्रतिपक्ष ने निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाये थे। इस पर राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह जी, मैं आपको चुनौती देता हूं कि मेरे तीनों संवाददाता सम्मेलनों पर बहस कर लेते हैं। इस दौरान अमित शाह ने थोड़े तीखे लहजे में कहा, मैं 30 साल से विधानसभा और संसद में हूं। संसदीय प्रणाली का लंबा अनुभव है। वह कह रहे हैं कि पहले उनकी बात का जवाब दें। आपकी मुंसिफी से संसद नहीं चलेगी। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करुंगा। उन्हें धैर्य होना चाहिए। मेरे भाषण का क्रम वो तय नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने पिछले कुछ महीनों में तीन अलग-अलग संवाददाता सम्मेलनों के जरिये यह दावा किया था कि कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनावों में वोट चोरी की गई है।

आदर्श सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन

निघासन खीरी। निघासन कस्बे के नंदेश्वर बाबा स्थल पर बुधवार को एक आदर्श सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। रामलीला मेले के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में सात जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज से एक साथ बंधन में बंधे। गायत्री शक्तिपीठ के आचार्य दयाशंकर गुना देवी, प्रह्लाद तथा चार अन्य विद्वानों ने मिलकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी जोड़ों का विवाह संपन्न कराया मेला समिति ने दान-दहेज सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की थीं, जिससे समारोह सुगमता से चल सका नवविवाहित जोड़ेः दिवांशु कुमार-श्रद्धा, इतवारी-अंजलि, विपिन कुमार-सोनी, सुधीर कुमार-खुशबू, मनोज कुमार-सजदा, विपिन कुमार-शांति देवी और पारस राठौर-शोभा विवाह बंधन में बंधे इस दौरान समारोह में स्थानीय विधायक शशांक वर्मा, दया शंकर मौर्य पंकज मौर्य, संतोष बाथम, भंडारी यादव तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़े को आशीष दिया और सामूहिक विवाह के आदर्श को सराहा मेला समिति के अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रकार के सामूहिक विवाह से सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है और आर्थिक बोझ कम होता है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि हर गरीब परिवार का बच्चा बिना दहेज के सम्मानपूर्वक विवाह कर सके,समारोह के अंत में सभी ने नवविवाहित जोड़े को बधाई दी और भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। यह आयोजन निघासन के सामाजिक जीवन में एक नई प्रेरणा बनकर रहेगा।

टाइगरों की गणना के लिया कैमरे लगाए गए

मोहम्मदी खीरी। वन विभाग महेशपुर के मोहम्मदी रेंज के रेजर निर्भय प्रताप सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में वन्य जीवों की गणना करने के लिए वन विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। 6200 हेक्टेयर में फैले जंगल में टाइगरों की गणना के लिया 40 कैमरे लगाए गए वन विभाग की गणना के लिहाज से वन क्षेत्र में 40 जगहो को चिन्हित किया गया है।वन विभाग महेशपुर के मोहम्मदी रेंज के रेजर निर्भय प्रताप सिंह के माध्यम से जानकारी दी गई कि बाघों की गणना हेतु महेशपुर ,देवीपुर ,सहजनीय, आंवला बीट में कुल 40 कैमरे लगवाए गए जो कि कैमरे लगाने हेतु वन दरोगा मो.उमर. प्रशिक्षित रोहित श्रीवास्तव ,अखिलेश सिंह वन दरोगा के द्वारा लगाए गए जिससे वन के कर्मचारियों को अधिकारियों को काफी जानकारी 40 कैमरो के माध्यम से मिलेगी, जिससे वन भी सुरक्षित रहेगे,तथा वनों मे रह रहे जीव,जन्तु और पशुओं पर भी नजर बनी रहेगी।

मदरसा परीक्षा को लेकर हुई समीक्षा बैठक

लखीमपुर संवाददाता। जिले में मदरसा परीक्षाओं को लेकर बैठक संपन्न। बैठक में सभी मदरसों को आवेदन फॉर्म भरने संबंधी दिशा निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने स्पष्ट किया कि हर मदरसा ज्यादा से ज्यादा संख्या में फॉर्म भरे। उन्होंने कहा कि तय समयसीमा के भीतर सभी आवेदन और पोर्टल प्रविष्टियाँ पूरा कराना सभी मदरसों की जिम्मेदारी है। बताते चले जिला

अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को मदरसा शिक्षा से जुड़ी अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में इस वर्ष सेकेंडरी, सीनियर सेकेंडरी, मुंशी, मौलवी और आलिम परीक्षाओं के लिए फॉर्म भरवाने की धीमी प्रगति पर चिंता जताई गई। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मदरसा ज्यादा से ज्यादा संख्या में फॉर्म भरवाए। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर आवेदन लॉक करने की अंतिम तिथि 20 दिसंबर है निर्धारित तिथि के अंदर फॉर्म आवेदन संबंधी सभी प्रविष्टियाँ पूर्ण कर ली जाए। बैठक के दौरान अल्पंसख्यक विभाग के कनिष्ठ सहायक ब्रजेश वर्मा ने बताया कि कई मदरसों की ओर से अब तक संतोषजनक आवेदन नहीं आए हैं, जबकि इस बार छात्रों की वास्तविक संख्या के अनुरूप अधिक फॉर्म भरवाना जरूरी है। बैठक में श्रीनगर मदरसा के प्रधानाचार्य मोहम्मद अय्यूब, धौरहरा मदरसा प्रधानाचार्य शाबान, वही पालिका क्षेत्र से आए मदरसा प्रधानाचार्य वारिश, श्रीनगर मदरसा बाबू सगीर अहमद मौजूद रहे।

भीषण आग में झोपड़ी पूरी तरह जलकर खाक

निघासन खीरी। निघासन तहसील के शीतलपुर गांव में आज सुबह अज्ञात कारणों से एक झोपड़ी में आग लग गई। आग लगते ही तेजी से फैलती हुई लाफ्ट ने देखते-ही-देखते पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। झोपड़ी में रहने वाले संजय पुत्र महेश का सारा घरेलू सामान, अनाज, कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएँ जलकर राख हो गईं ग्रामीणों ने तुरंत शोर मचाकर आग की सूचना दी। घटनास्थल पर पहुँचे स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक झोपड़ी पूरी तरह जल चुकी थी।

लापता किशोरी के परिजनों ने ग्रामीणों के साथ किया प्रदर्शन

बेहजम खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र की सिकंदराबाद पुलिस चौकी के सामने सोमवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन एक किशोरी के पिछले दस दिनों से लापता होने और पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के विरोध में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए ₹पुलिस मुदार्बाद₹ के नारे लगाए। परिजनों के अनुसार, चौकी क्षेत्र के एक गांव की किशोरी दस दिन पहले लापता हो गई थी। उन्होंने बताया कि वे लगातार पुलिस चौकी और नीमगांव थाने के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी बेटी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। ग्रामीणों और किशोरी के परिजनों ने सिकंदराबाद-लखीमपुर मार्ग पर पुलिस चौकी के सामने सड़क पर बैठकर धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नीमगांव थाना अध्यक्ष और सिकंदराबाद पुलिस चौकी की लापरवाही के कारण मामले में कोई प्रगति नहीं हो रही है। परिजनों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही किशोरी का पता नहीं लगाया गया और ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष नीमगांव प्रवीर गौतम से संपर्क साधने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगी नवगठित बहुउद्देशीय सहकारी समितियां

बहराइच। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय द्वारा सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने तथा ग्रामीण सहकारी समितियों को आत्मनिर्भर, व्यवसायिक रूप से सशक्त एवं प्रशासनिक रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में जिला सहकारी बैंक लि. बहराइच के सभागार में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद की सभी नवगठित बहु उद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों (एमपीएसीएस) के पदाधिकारियो एवं प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सत्र संयोजक अभिषेक तिवारी ने सहकारिता की मूल भावना एवं सामाजिक महत्व एवं स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समितियाँ यदि नवाचार और पारदर्शिता के साथ कार्य करें, तो वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि समितियाँ पारंपरिक कृषि व्यवसाय के अतिरिक्त नवोन्मेषी परियोजनाएँ यथा कोचिंग एवं प्रशिक्षण केंद्रों को बढ़ावा दें जिससे ग्रामीण युवाओं को कौशल आधारित रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि आयल एक्सपेलर यूनिट, दाल मिल, दलिया एवं आटा चक्की प्लांट, भण्डारण गृह जिनसे कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन हो। फूड प्रोसेसिंग, डेवरी, पशु आहार, कृषि उपकरण किराया केंद्र जैसे व्यवसाय, जिनसे समिति की आय बढ़े और सदस्य लाभान्वित हो सके। कार्यक्रम के विशेष सत्र में डीपीआर (डिलिट प्रोजेक्ट रिपोर्ट) एवं बीडीपी (बिजनेस डेपलामेण्ट प्लान) की तैयारी पर प्रकाश डालते हुए श्री तिवारी ने समिति के सफल संचालन हेत यथार्थपरक डीपीआर और व्यवहारिक बीडीपी का निर्माण पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट किसी परियोजना की तकनीकी, वित्तीय और व्यवहार्यता का पूरा खाका प्रस्तुत करती है। जबकि व्यवसाय विकास योजना यह सुनिश्चित करती है कि समिति अपने संसाधनों, बाजार अवसरों और वित्तीय आवश्यकताओं का पूर्व नियोजन कर सके। सत्र में प्रतिभागियों को उदाहरण स्वरूप आटा चक्की प्लांट, दाल मिल एवं वर्मी कम्पोस्ट के डीपीआर एवं बीडीपी तैयार करने की व्यवहारिक रूपरेखा भी दिखाई गई। विभागीय मार्गदर्शन एवं वित्तीय परामर्श कार्यक्रम में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक संजीव कुमार तिवारी द्वारा समितियों के पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों और सदस्य सहभागिता के महत्व के सम्बन्ध महत्वपूर्ण सुझाव दिये। अपर जिला सहकारी अधिकारी अरविन्द कुमार सिंह, एडीओ विनीत सिंह, अमर सिंह, सर्वेश कुमार, आनंद स्वरुप व दिलीप दुबे ने कहा कि पारदर्शिता, लेखा संधारण, नियमित ऑडिट एवं सदस्य भागीदारी ही सहकारिता की सफलता की कुंजी है।

अवैध कब्जे को लेकर जांच टीम गठित

निघासन खीरी। एक तरफ प्रदेश के मुखिया अवैध कब्जदारों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई करने का दावा करते हैं वहीं दूसरे तरफ निघासन तहसील क्षेत्र की बैलहा ग्राम पंचायत के जीतपुरवा गांव में गाटा संख्या?801 का रकबा धीरेंद्र बहादुर सिंह और रूपेंद्र कौर के नाम दर्ज है, आरोप है कि छैलू पुत्र बच्चू गुड्डू पुत्र छैलू अपने आधा दर्जन साथियों ने मिलकर इस जमीन पर बिना किसी कानूनी अनुमति के छप्पर डाल कर अवैध कब्जा कर लिया है,पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में एसडीएम राजीव निगम को प्रार्थना पत्र सौंप कर अवैध कब्जे को हटाने की गुहार लगाई। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक जांच टीम का गठन किया है, जो मौके पर जाकर स्थिति की जांच करेगी। यदि जांच में अवैध कब्जा सिद्ध होता है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एग्रीग्रेटर कृषि यंत्र योजना अन्तर्गत लाटरी के माध्यम से चयनित हुए 02 एफपीओ

बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार बहराइच में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में एग्रीग्रेटर कृषि यंत्र योजना अन्तर्गत लाभार्थी चयन हेतु आयोजित लॉटरी के माध्यम से हैबेरिया एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड हुजूरपुर एवं ठाकुरद्वारा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड जरवल का चयन किया गया। योजना अंतर्गत चयनित दोनों एफपीओ को रू. 30.00 लाख की परियोजना पर पराली प्रबंधन कृषि यंत्र क्रय पर रू. 24.00 लाख तथा इनके दो-दो सदस्यों को रू. 10 लाख की परियोजना पर रू. 04-04 लाख का अनुदान दिया जाना प्राविधानित है। कृषि यंत्रों के माध्यम से चयनित एफपीओ द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के किसानों के खेतों में धान की कटाई से प्राप्त पराली/फसल अवशेष को इकट्ठा कर सीवीजी प्लांट को आपूर्ति किया जाएगा। इससे जहां एक ओर किसानों को पराली फसल अवशेष विक्रय से आमदनी होगी वहीं दूसरी ओर संबंधित एफपीओ को सीबीजी प्लांट को पराली/फसल अवशेष आपूर्ति से भी आय प्राप्त होगी। इन यंत्रों के जिले में स्थापित होने से जिले के किसानों को पराली प्रबंधन से भी आर्थिक लाभ होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, उप कृषि निदेशक विनय कुमार वर्मा, जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र

वाराणसी : बीएचयू में संपन्न हुआ नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र। नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वैलेडिक्टरी सत्र आज बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय को पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस सम्मेलन का उद्घाटन 9 दिसंबर को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया था। डॉ. श्वेता कुमारी की टीम, विभाग–वोकल म्यूज़िक, एम.एम.वी. द्वारा बीएचयू कुलगीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या प्रो. रीता सिंह ने स्वागत संबोधन देते हुए सम्मेलन में हुई महत्वपूर्ण शैक्षणिक चर्चाओं और प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। सम्मेलन के संयोजक डॉ. राजीव मिश्रा ने अपने संबोधन में बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन विभिन्न विद्वानों की सामूहिक बौद्धिक सहभागिता का सफल परिणाम है। मुख्य अतिथि प्रो. डी. के. उप्रेति, एमेरिटस वैज्ञानिक और भूतपूर्व निदेशक सीएसआईआर एनबीआरआई, लखनऊ, ने वैलेडिक्टरी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान के बढ़ते महत्व, बहुविषयी दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सहयोग की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. शाची सिंह ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें तकनीकी सत्रों, मुख्य व्याख्यानों, शोध प्रस्तुतियों और शैक्षणिक संवादों का सार शामिल था। इसके बाद श्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के पुरस्कार घोषित किए गए और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सम्मेलन की उच्चस्तरीय शैक्षणिक गुणवत्ता, व्यवस्थाओं और सुव्यवस्थित आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का समापन डॉ. राकेश पांडेय द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, विद्वानों, आयोजक मंडल, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सम्मेलन 9 दिसंबर को प्रारंभ हुआ और पिछले दो दिनों में भारत तथा विभिन्न देशों से आए अनेक वक्ताओं ने अपने नवीनतम शोध निष्कर्ष साझा किए। डॉ. अचरण एस. नरूला (नरूला रिसर्च अमेरिका), प्रो. विभव तिवारी (मिडवेस्टर्न यूनिवर्सिटी), डॉ. अशुतोष त्रिपाठी (यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, अमेरिका), प्रो. गुयेन थी किम ओआन्ह (एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड), डॉ. येरलान सुलैमान और डॉ. गुलनूर के. ममितबेकोवा (के. कुलाजानोव, कजाख विश्व विद्यालय, कजाख स्तान), डॉ. अबू सैयद (एचएमडी, यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश), प्रो. जनार्दन लामिछाने और डॉ. राजेन्द्र ज्ञवाली (काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल), डॉ. एशर बार-ताल (एग्रिकल्चरल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन, इजराइल) तथा डॉ. स्टीफन न्योनी (चिन्होई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ज़िम्बाब्वे) ने अपना नवीनतम कार्य प्रस्तुत किया।

नीति आयोग के सहयोग से पूरा हुआ जनपद में आडिटोरियम का सपना

बहराइच। जनपद बहराइच में आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम अन्तर्गत जनपद मुख्यालय पर एक स्थान पर दृश्य-श्रव्य उपकरणों के साथ सुव्यवस्थित ढंग से बैठक एवं कौशल वृद्धि हेतु प्रशिक्षण आयोजित करने के उद्देश्य से जनपद मुख्यालय पर मल्टी परपज स्किल डेवलपमेन्ट उत्थान आडिटोरियम का निर्माण वर्ष 2023-24 में प्रारम्भ कराया गया जो वर्ष 2025-26 में पूर्ण हुआ। आडिटोरियम भवन की स्थापना नीति आयोग भारत सरकार के आकांक्षात्मक जनपद कार्यक्रम अन्तर्गत प्राप्त अच्छी डेल्टा रैंक आने पर प्राप्त पुरस्कार से रू. 43301.00 लाख से कराया गया। आडिटोरियम भवन की स्थापना से जनपद मुख्यालय स्तर पर एक ही स्थान पर 250 व्यक्तियों को एक साथ बैठ कर बैठक, प्रशिक्षण एवं सेमिनार एवं अन्य कार्यक्रम आधुनिक सुविधा के साथ सुगमतापूर्वक उपलब्ध हो रहा है। आडिटोरियम भवन के निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती जनपद मुख्यालय पर पर्याप्त मात्रा में एक स्थान पर भूमि की उपलब्धता रही है। इस कार्य हेतु चिन्हित भूमि राजस्व विभाग की भूमि पर बने एसओसी भवन पर बने जर्जर भवन का ध्वस्तीकरण कराना था। राजस्व परिषद उ.प्र. शासन से अनुमति प्राप्त कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जानी थी। एक वर्ष के उपरान्त अन्ततः वर्ष 2023 में ध्वस्तीकरण कराकर आडिटोरियम का निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया गया। आडिटोरियम भवन का निर्माण हो जाने के उपरान्त प्रशासनिक बैठक, प्रशिक्षण तथा सेमिनार आदि के आयोजन हेतु एक स्थान पर आधुनिक दृश्य-श्रव्य उपकरण के साथ 250 व्यक्तियों के बैठने हेतु हॉल उपलब्ध हो रहा है। आडिटोरियम का निर्माण हो जाने से सरकारी कार्यक्रमों हेतु न्यूनतम शुल्क के साथ 250 व्यक्तियों के बैठने वाले क्षमता वाला एक मात्र हॉल उपलब्ध हो गया है। अन्य अर्द्ध सरकारी एवं निजी संस्थाओं के लिए जिला मुख्यालय पर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्धारित शुल्क पर नियम व शर्तों के अधीन आडिटोरियम उपलब्ध है।

चौदहवीं स्वर्गीय दुर्गावती देवी इंटर स्कूल जूनियर सब जूनियर और सीनियर कैरम प्रतियोगिता प्रारंभ

वाराणसी,। चौदहवीं स्वर्गीय दुर्गावती देवी इंटर स्कूल जूनियर सब जूनियर और सीनियर कैरम प्रतियोगिता का आज सिंह निकेतन मलदहिया में आज प्रातः दस बजे से शुरूआत हो गई। आज खेले मैचों में - 14 वर्ष आयु के बालिका वर्ग में - आराध्या तिवारी एपीएस चोलापुर, सायरा बानो -मरियम एजूकेशन, अंशू यादव एपीएस चोलापुर और क्रिति एच एम एस पहाड़िया के अन्तिम चार में जगह बनाने में कामयाब रहीं तो वहीं -पूर्वी मिश्रा एपीएस चोलापुर, नंम्रा बख्तियार डालिम्स राम कटोरा, श्रेया गौतम सनबीम बरूणा, नाव्या सिंह- न्यू लाइव इंग्लिश स्कूल, निगार सिराज- डालिम्स रामकटोरा, निगार सेराज सनबीम भगवान पुर, श्रेयांशी सनबीम भगवानपुर, वैष्णवी पांडे एपीएस चोलापुर, 12 वर्ष आयु वर्ग के बालिका वर्ग के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहीं। जब कि 12 आयु वर्ग बालक वर्ग में अर्पित सरोज एचएमएस पहाड़िया, शशांक सिंह एपीएस चोलापुर,सात्विक मिश्रा एपीएस चोलापुर, हर्षदीप सिंह एचएमएस पहाड़िया, असद सरफराज डालिम्स रामकटोरा, तेजस प्रकाश एपीएसस चोलापुर, आयुष कुमार एपपीएस चोलापुर, विक्रमजीत सिंह डालिम्स मोहिनी कुंज, राज सिंह एपपीएसस चोलापुर,शिखा शशांक पटेल सनबीम सारनाथ, प्रांजल जायसवाल एपीएस चोलापुर, अजीत अजय सनबीम बरूणा,आर्यन सिंह एचएमएस पहाड़िया, राज सिंह एपीएसस चोलापुर लगातार तीसरी विजय के साथ प्री क्वार्टर में पहुंच गये।

एक दिन में दो कार्रवाई से बौखलाया युवक

भदोही। भदोही जिले में प्रधान के वित्तीय अधिकार सीज हुए और उसके बड़े भाई को पुलिस ने 151 में गिरफ्तार किया तो इससे नाराज प्रधान से भतीजे ने शिकायतकर्ता की हत्या कर डाली। भदोही कोतवाली के घसकरी गांव निवासी कमलाकांत दुबे (70) की बुधवार की देर रात कार से कुचलकर हत्या कर दी गई। इस घटना को गांव के प्रधान मनीष यादव के भतीजे सुजीत ने अंजाम दिया। कमलाकांत दुकान बंद कर रहे थे। इस बीच सुजीत ने अपना वाहन उनकी दुकान की ओर घुमाते हुए उन्हें शटर व वाहन के बीच दबा दिया। बुधवार को ही प्रधान का वित्तीय अधिकार सीज होने के साथ सुजीत के पिता मेहीलाल को पुलिस ने 151 में गिरफ्तार किया था। कमलाकांत दुबे ने प्रधान के भ्रष्टाचार और उनके बड़े भाई पर धमकी देने का आरोप लगाया था। क्या है पूरा मामला भदोही कोतवाली के घसकरी गांव निवासी कमलाकांत दुबे गांव में ही क्लिनिक चलाते थे। वे गांव में प्रधान मनीष यादव के द्वारा किए गए भ्रष्टाचार को लेकर जिलाधिकारी से शिकायत की थी। मामले में जांच के बाद भ्रष्टाचार की शिकायत सही मिली। बुधवार को जिला मजिस्ट्रेट ने प्रधान के वित्तीय अधिकार को सीज कर दिया। वहीं कमलाकांत की शिकायत पर ही पुलिस ने प्रधान के बड़े भाई मेहीलाल को बुधवार को ही 151 में चालान कर गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि एक ही दिन दो कार्रवाई होने से प्रधान का भतीजा सुजीत आक्रोश से भरा हुआ था। बुधवार की रात कमलाकांत अपनी क्लिनिक बंद कर रहे थे। वे शटर गिराने के बाद जैसे ही ताला लगाने के लिए झुके, इस बीच प्रधान का भतीजा सुजीत अपनी वाहन से उन्हें शटर व वाहन के बीच कुचलकर कार बैक कर भाग गया। इसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन- फानन कमलाकांत को अस्पताल ले जाया जा रहा था। इस बीच रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इधर घटना की जानकारी होते ही हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने प्रधान को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि मृतक ने प्रधान व उनके भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें प्रधान द्वारा गांव में की गई वित्तीय गड़बड़ी और उसके बड़े भाई द्वारा दी जा रही धमकी की शिकायत की थी। प्रधान का भाई 151 में गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद प्रधान के भतीजे ने वाहन से दबाकर कमलाकांत की हत्या कर दी। पुलिस प्रधान व जेल में बंद उसके भाई से पूछताछ कर रही है।

सूचना

सूचित हो कि मेरा पुत्र युसुफ आकिल सिद्दीकी पुत्र मोहम्मद आकिल है। मेरे पुत्र का नाम पहले युसुफ सिद्दीकी था। उसके पासपोर्ट में भी उसका नाम युसुफ सिद्दीकी अंकित है। अब मेरे पुत्र का पूरा नाम युसुफ आकिल सिद्दीकी है। इसी नाम से घर व बाहर पुकारा जाता है। **फहमीना खान पत्नी मोहम्मद आकिल निवासिनी- फ्लैट नं. 202, हैदरगंज, बैंक ऑफ बड़ोदा के पास स्टैंडर्ड अपार्टमेंट, ऐशबाग, थाना बाजार खाला, लखनऊ ।**

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक संपन्न

लखनऊः मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में आज प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य की प्रमुख विकास परियोजनाओं जिसमें प्रधानमंत्री एकता मॉल, पीएम मित्र पार्क, श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास, संत कबीर टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पार्क, श्रावस्ती में इंटरप्रिटेशन सेंटर, बटेश्वर में पर्यटन विकास कार्य तथा आगरा, कानपुर व लखनऊ की मेट्रो रेल परियोजनाएं, डिजिटल लाइब्रेरी शामिल हैं, की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने आगरा, वाराणसी तथा लखनऊ में निमार्णाधीन प्रधानमंत्री एकता मॉल तथा लखनऊ, गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद में बन रहे श्रमजीवी महिलाओं के छात्रावास परियोजनाओं के निर्माण की धीमी रफ्तार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि देरी को जल्द से जल्द कवर करने के लिए समय-सारिणी को संशोधित किया जाए, कार्यस्थलों पर आवश्यकतानुसार मैनपावर बढ़ाई जाए। संबंधित विभाग भी नियमित एवं सघन समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि इन परियोजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव की सभी आवश्यक तैयारियां अभी से प्रारम्भ कर दी जाएं ताकि निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही इनका संचालन तुरंत शुरू हो सके। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि अगली पीएमजी बैठक में सभी परियोजनाओं में अपेक्षित वित्तीय एवं भौतिक प्रगति स्पष्ट रूप से दिखनी चाहिए तथा निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी हाल में समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजधानी में सेना की फायरिंग रेंज जमीन पर अतिक्रमण का मामला

विधि संवाददाता

लखनऊ । राजधानी के अर्जुनगंज स्थित सेना के फायरिंग रेंज में तमाम जमीनों पर बाहरियों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने के मामले से सम्बंधित जनहित याचिका पर सुनवायी के दौरान राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ को बताया गया कि फायरिंग रेंज सम्बंधी मूल अधिसूचना को तीन वर्ष बढ़ाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसपर कोर्ट ने मामले को अगली सुनवाई के लिए जनवरी के चौथे सप्ताह में सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश ब्रिगेडियर तिरबनी प्रसाद की वर्ष 2011 में दाखिल जनहित याचिका पर दिया। इससे पहले, राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि मूल अधिसूचना के समय विस्तार सम्बंधी प्रस्ताव 25 सितंबर को लखनऊ के जिलाधिकारी द्वारा शासन को भेजा जा चुका है। हालांकि, इस प्रस्ताव में फायरिंग रेंज का एरिया घटाकर 121.339 हेक्टेयर कर दिया गया है। गौर तलब है कि मामले में केंद्र सरकार की ओर से बाकायदा शपथ पत्र दाखिल कर कहा गया था कि फायरिंग रेंज में अतिक्रमण की वजह से सेना लंबी दूरी के हथियारों की ट्रेनिंग नहीं कर पा रही है। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में लंबी दूरी के हथियारों की ट्रेनिंग को टालना सेना की तैयारी को खतरे में डाल देगा। वहीं, अदालत भी टिप्पणी कर चुकी है कि सेना के अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण को रोकने के बार-बार अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार व एलडीए के अधिकारी अपने आँख व कान बंद किए रहे, जिसका नतीजा यह हुआ कि अब सेना वहाँ लॉन्ग रेंज फायरिंग प्रैक्टिस नहीं कर सकती।

व्यावसायिक परीक्षा के लिए प्रयोगात्मक परीक्षकों की मैपिंग प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश

लखनऊ(संवाददाता)। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश ने अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा, दिसम्बर-2025 ऐनुअल सिस्टम, डवेल सिस्टम आफ ट्रेनिंग की तैयारियों को गति देते हुए जिलाधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि लेफ्ट ओवर,सप्लीमेंटरी श्रेणी की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रैक्टिकल एग्जामिनर मैपिंग की अनिवार्य समय-सीमा 9 दिसम्बर से 26 दिसम्बर निर्धारित की गई है, जिसे परीक्षा से पूर्व पूर्ण किया जाना है। प्रमुख सचिव ने बताया कि डीजीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रैक्टिकल एग्जामिनर मैपिंग उन परीक्षकों की की जाएगी जो सिद्ध पोर्टल्.पससपदकपंकपहपजंस.हवअ.पद पर विधिवत पंजीकृत हों। यदि किसी जनपद में पंजीकृत परीक्षकों की संख्या पर्याप्त नहीं है, तो नोडल राजकीय आईटीआई की अध्यक्षता में गठित समिति ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगी तथा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेख, योग्यता तथा अनुभव की जांच कर अनुमोदन करेगी। इस उद्देश्य से तीन सदस्यीय समिति गठित की गयी है जिसमें जिलाधिकारी द्वारा नामित सदस्य अध्यक्ष नोडल राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का प्रधानाचार्य सदस्य, तथा जनपद के अन्य राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य वरिष्ठतम कार्यदेशक सदस्य हैं। समिति डीजीटी के निर्धारित मानकों के अनुसार परीक्षकों का चयन करेगी ताकि प्रयोगात्मक परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने जिलाधिकारियों को से कहा है।

नर्स, डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मी महान योद्धा : राज्यपाल

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के क्लिनिकल हिमेटोलॉजी विभाग में स्थापित बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का गुरुवार को लोकार्पण करते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि रक्त विकार किसी जाति, वर्ग, आयु या सीमाओं में बंधे नहीं होते। ये रोग अबोध बच्चों की मुस्कान, युवाओं के सपनों और परिवारों की धैर्यशक्ति पर गहरा प्रभाव डालते हैं। ल्यूकेमिया, थैलेसीमिया और एप्लास्टिक एनीमिया जैसे गंभीर रोगों का समय पर उपचार न मिलने पर चुनौती बन जाते हैं। ऐसे में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण अंतिम आशा के रूप में रहती है। राज्यपाल ने कहा कि केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट की स्थापना लाखों जरूरतमंद परिवारों के लिए नई आशा लेकर आई है। उन्होंने आदित्य बिरला कैपिटल फाउंडेशन की अध्यक्ष राजश्री बिरला का आभार जताते हुए कहा कि बोन मैरो ट्रांसप्लांट का उपचार अभी भी काफी महंगा है, गरीब मरीज आर्थिक अभाव में उपचार से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में केजीएमयू की यह यूनिट प्रदेश ही नहीं, बल्कि दूर-दराज राज्यों के मरीजों के लिए भी जीवनदायी सहारा बनेगी। जब विज्ञान संवेदना से जुड़ता है और संस्थाएँ सेवा का संकल्प लेकर कार्य करती हैं, तभी एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। महामारी के समय में भारत ने जिस धैर्य, संगठन क्षमता और वैज्ञानिक दृष्टि का परिचय दिया, वह विश्व के लिए उदाहरण है। आज नर्स, डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मी देश के मौन लेकिन महान योद्धा हैं। उन्होंने कहा कि केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट का लोकार्पण स्वास्थ्य तंत्र को नई दिशा देगा। यह यूनिट अनगिनत परिवारों के जीवन में नई रोशनी लेकर आएगी। इस अवसर पर बाल आयुष फाउंडेशन और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, के मध्य एक समझौता ज्ञापन भी हुआ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आज दुनिया भर में चिकित्सा क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। केजीएमयू ने अपनी स्थापना से अब तक लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, इसलिए विश्व स्तर पर इस संस्थान का एक विशिष्ट स्थान है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है। इस अवसर पर केजीएमयू की कुलपति पद्मश्री डॉ. सोनिया नित्यानंद, प्रमोटर आदित्य बिड़ला, कैपिटल फाउंडेशन लिमिटेड पद्मभूषण राजश्री बिड़ला, फाउंडर-चेयरमैन कैनकिड्स किड्सकैन पूनम बगई, मैनेजिंग डायरेक्टर आदित्य बिड़ला कैपिटल फांउडेशन लिमिटेड विशाखा मूले, विभागाध्यक्ष क्लीनिकल हिमेटोलॉजी विभाग केजीएमयू डॉ एसपी वर्मा सहित कई चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी भी उपस्थित रहे।

जनता दर्शनः सीएम ने सुनीं 300 लोगों की फरियाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिये। सभी प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि हर जरूरतमंद के पास पक्का

आवास हो। जनता दर्शन में एक महिला ने अपने पति की बीमारी में इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री ने महिला को आश्वस्त किया कि वह अपने पति का अच्छे से इलाज कराएं, पैसे की व्यवस्था विवेकाधीन कोष से करा दी जाएगी। इलाज में आर्थिक मदद मांगने कई अन्य लोग भी आए थे। उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। एक महिला ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के संबंध में कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की समस्या पर वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी पात्र को योजनाओं का लाभ मिलने में अड़चन आ रही हो तो इसकी जांच जरूर करें कि किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं बरती गई।

हाईकोर्ट में सरकारी वकीलों की तैनाती मामले की सुनवाई अब अन्य खंडपीठ करेगी

विधि संवाददाता

लखनऊ : इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ पीठ में सरकारी वकीलों की तैनाती प्रक्रिया को चुनौती मामले की सुनवाई अब अन्य खंडपीठ करेगी। मामले की सुनवाई कर रही हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन और न्यायमूर्ति बबिता रानी की खंडपीठ ने बुधवार(10 दिसंबर) को आदेश दिया कि इस मामले को उस बेंच के समक्ष पेश किया जाए, जिसमें हम न्यायाधीशों में से न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन सदस्य न हों। खंडपीठ ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति से समुचित आदेश लेकर इस मामले को सूचीबद्ध किया जाए। इस मामले में हाईकोर्ट में सरकारी वकीलों की तैनाती में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने का आग्रह किया गया है। साथ ही सरकारी वकीलों की तैनाती के 1975 के एल आर मैनुअल में भी संशोधन करने की गुजारिश भी की गई है। मामले में वर्ष 2017 में दाखिल महेंद्र सिंह पवार की जनहित याचिका समेत चार जनहित याचिकाओं में हाईकोर्ट में सरकारी वकीलों की तैनाती प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और लखनऊ पीठ में दो हजार से अधिक सरकारी वकील तैनात हैं। पहले भी अन्य खंडपीठ खुद को सुनवाई से कर चुकी है अलग पहले, बीते सितंबर में भी इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर कई दिन से प्रतिदिन फाइनल सुनवाई चल रही थी।

यूपी में अब एसआईआर की आखिरी तारीख 26 दिसंबर

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ा दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग नर एसआईआर की तिथि में बढ़ोत्तरी का आदेश जारी किया है। चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर निर्धारित की गई थी। इसमें अब दो सप्ताह की वृद्धि का निर्णय लिया गया है। इसे बढ़ाकर 26 दिसंबर कर दिया गया है। अब प्रदेश के लोग 26 दिसंबर तक अपने नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने, संशोधित करने या हटाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यूपी के साथ अन्य कुछ राज्यों में भी ऐसी छूट दिए जाने की संभावना है।चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गुरुवार को समीक्षा की। राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर एसआईआर तारीखों में बदलाव पर फैसला आया। यूपी के मुख्य चुनाव अधिकारी ने दो सप्ताह अतिरिक्त समय की मांग की थी। चुनाव आयोग ने 26 दिसंबर शुक्रवार तक गणना फॉर्म भरने की तारीख बढ़ा दी। गणना फॉर्म जमा करने की तारीख में इजाफा के साथ ही ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन की तिथि बढ़ाई गई है।यूपी में पहले 16 दिसंबर को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाना था। इसे चुनाव आयोग ने बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी वैध मतदाता को मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। फरवरी 2026 में फाइनल मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद भी नए वोटरों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए फॉर्म 6 भरने की कवायद जारी रहेगी। यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार प्रदेश में 91 फीसदी से अधिक गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। 80 फीसदी वोटर फॉर्म भरकर जमा कर चुके हैं। 76 फीसदी मतदाताओं की 2003 की वोटर लिस्ट से मैपिंग पूरी हो चुकी है। 18 फीसदी यानी 2.91 करोड़ वोटर्स ऐसे हैं जिन तक फॉर्म पहुंच नहीं सका है। इन्हें सत्यापन के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। नवदीप रिणवा ने कहा कि आयोग से 2 सप्ताह अतिरिक्त समय की मांग की गई थी। इसे मंजूरी मिल गई है। इससे चुनाव आयोग को प्रक्रिया को पूरा कराने में मदद मिलेगी।यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक सत्यापन में अब तक 1.27 करोड़ शिफ्टेड यानि स्थान बदले हुए 46 लाख मृतक, 23.69 लाख डुप्लीकेट मतदाता और 84.74 लाख का कोई पता नहीं मिला है। 9.57 लाख मतदाता फॉर्म लेने के बाद भी वापस नहीं किए हैं। इन आंकड़ों की पुष्टि ड्राफ्ट सूची आने के बाद और स्पष्ट होगी। 1 जनवरी 2026 को 18 साल पूरा करने वाले फॉर्म-6 भर सकेंगे। बूथ लेवल एजेंट और राजनीतिक दल फील्ड में निकलकर उन वोटर्स को खोजने में मदद करें जिनके पते उपलब्ध नहीं हैं।

एसआईआर की समीक्षा सीएम नहीं आयोग करे : कांग्रेस

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि एसआईआर चुनाव आयोग की प्रक्रिया है समीक्षा मुख्यमंत्री क्यों कर रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि चुनाव आयोग पूरी तरीके से भाजपा का एजेंसी बन चुका है। मुख्यमंत्री द्वारा इस अभियान की समीक्षा करना दशार्ता है कि चुनाव आयोग अब भाजपा सरकार के इशारों पर काम कर रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की समीक्षा करना लोकतंत्र पर सीधा आघात है। आयोग की चुप्पी बताती है कि वह भाजपा के लिए फील्ड एजेंट की भूमिका निभा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में भय का वातावरण बनाया जा रहा है। कर्मचारी मर रहे हैं, लोग प्रताड़ित हो रहे हैं, और अब तो मुख्यमंत्री खुद ह्यचुनाव आयोगह्ण की कुर्सी पर बैठकर समीक्षा करने लगे हैं। क्या अब आयोग मुख्यमंत्री के अधीन काम करेगा? कांग्रेस इस मुद्दे को पूरे प्रदेश में उठाएगी और जनता को बताएगी कि एसआईआर की आड़ में लोकतंत्र की हत्या की कोशिश की जा रही है। आयोग केवल सरकार की सुविधा देखकर फैसले ले रहा है, जनता और कर्मचारियों की पीड़ा से उसका कोई लेना-देना नहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उन परिवारों का दर्द सुनना चाहिए जो बीएलओ मर गए और उनका परिवार बर्बाद हो गया। हम पूछते है की चुनाव आयोग अगर वाकई स्वतंत्र है, तो उसे तुरंत स्पष्ट करना चाहिए कि मुख्यमंत्री को एसआईआर समीक्षा का अधिकार किसने दिया। लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी अब जनता और विपक्ष दोनों की है।

ग्राम पंचायतों को मिलेंगे वाद्य यंत्र पर्यटन मंत्री ने किया विभागीय योजनाओं की समीक्षा

लखनऊ। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करें। स्वीकृत कार्ययोजना में शामिल 19 परियोजनाओं के आगणन प्रस्ताव की स्वीकृति शीघ्र जारी कर दी जाएगी। उन्होंने अब तक न शुरू की गई परियोजनाओं को गति तेज करने के निर्देश दिए। जयवीर सिंह ने कहा कि बदले परिवेश में परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ पूरा करके पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाए, ताकि वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में अधिकतम सहयोग किया जा सके। पिछली बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति की भी समीक्षा की। अधिकारी किसी कार्य में अडगा न लगाए, बल्कि उसके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करे। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला से आमजनता को जोड? तथा उन्हें संरक्षित रखते हुए अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए संस्कृति विभाग ने वाद्य यंत्रों का सेट क्रय करके वितरित किया था। अवशेष 26 सेट वाद्य यंत्र भातखंडे संगीत संस्थान को और आजमगढ़ के हरिहर पुर स्थित संगीत विद्यालय को उपलब्ध करा दिए गए है। यह वाद्य यत्र वित्तीय वर्ष 2023-24 में क्रय किए गए थे। एक उच्चस्तरीय कमेटी की देख-रेख में नए वाद्य यंत्र क्रय करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वाद्य यंत्र क्रय करने की कार्यवाई शुरू कर दी गयी है। उन्होंने बताया कि रेडियो जयघोष की क्षमता बढ? से दूरस्थ स्थानों तक रेडियों जयघोष के कार्यक्रमों का श्रोताओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने प्रदेश के 75 जनपदों के लिए निदेशालय स्तर से नोडल अधिकारी नामित करने के भी निर्देश दिए। हिदायत दी कि समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप निर्धारित समय सीमा में अनुपालन किया जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात, महानिदेशक पर्यटन, अशोक कुमार द्वितीय, विशेष सचिव संस्कृति ईशाप्रिया, अपर निदेशक डॉ0 सृष्टि धवन, प्रबंध निदेशक आशीष कुमार, पर्यटन सलाहाकार जेपी सिंह, संयुक्त निदेशक वीरेन्द्र कुमार व प्रीति श्रीवास्तव तथा अंजु चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

आलू किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोरः रालोद

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आलू का उत्पादन निरंतर बढ़ने के बावजूद किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य न मिलने पर चिंता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कहा कि आलू किसानों की आर्थिक स्थिति दिन-प्रतिदिन कमजोर होती जा रही है, जिससे उनके परिवार के खर्च, बच्चों की शिक्षा और अन्य आवश्यक जरूरतें प्रभावित हो रही हैं। डॉ. राय ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश में आलू उत्पादन का अग्रणी राज्य है, विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश आलू की खेती के लिए प्रमुख क्षेत्र माना जाता है। किसान दिन-रात मेहनत कर, खाद-बीज, कीटनाशक और अन्य कृषि संसाधनों पर बड़ा खर्च करते हुए फसल तैयार करते हैं। किंतु जब आलू बाजार में पहुँचता है, तो उसकी कीमत लागत मूल्य से भी कम मिलती है, जिससे किसानों में भारी निराशा है। आलू किसानों को उनका वाजिब मूल्य मिले इसके लिए राष्ट्रीय लोकदल प्रयासरत है।

पदों की समाप्ति, संविदा कर्मियों की छटनी से बिजली कर्मियों का गुस्सा बढ़ा

लखनऊ(संवाददाता)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने बताया कि राजधानी लखनऊ के बाद अब पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले शहरों और कस्बों में वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग कर सैकड़ों की संख्या में बिजली कर्मियों के पदों को समाप्त करने का प्लान है। इसके साथ ही मनमाने ढंग से सभी मापदंडों को ताक पर रखकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में हजारों की संख्या में संविदा कर्मचारियों की छटनी की जा रही है जिससे बिजली कर्मियों में भारी गुस्सा व्याप्त हो गया है। बड़े पैमाने पर पदों को समाप्त करने और संविदा कर्मियों की छटनी के विरोध में आज वाराणसी और प्रयागराज में बिजली कर्मियों ने जोरदार प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। संघर्ष समिति ने बताया कि यह सब निजीकरण की तैयारी है जिससे निजीकरण के बाद निजी कंपनियों को तत्काल छटनी न करनी पड़े। इसीलिये बड़े पैमाने पर पदों को समाप्त किया जा रहा है और अत्यन्त अल्प वेतन भोगी संविदा कर्मियों को बिना किसी मापदंड के हटाया जा रहा है। संघर्ष समिति ने बताया कि पॉवर कॉरपोरेशन के चेयरमैन डॉ आशीष गोयल ने कल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पूर्वांचल में भदोही, मिजार्पुर,फतेहपुर, आजमगढ़ और मऊ में रिस्ट्रक्चरिंग करने तथा दक्षिणांचल में मथुरा और वृन्दावन में रिस्ट्रक्चरिंग करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर संविदा कर्मियों को हटाया जा रहा है।संघर्ष समिति ने कहा कि पॉवर कारपोरेशन प्रबन्धन निजीकरण हेतु इतना उतावला हो गया है कि बिना सोचे समझे विफल हो चुकी वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग की व्यवस्था को एक एक कर पूरे प्रदेश में थोप रहा है जिसके दुष्परिणाम राजधानी लखनऊ में साफ दिख रहे हैं।

एक बार फिर स्थानीय महासंघ ने दी आन्दोलन की धमकी

लखनऊ(संवाददाता)। उ.प्र.स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने पूर्व से लम्बित समस्याओ,मांग पत्र जिन पर गत दिनो एक लम्बा ध्यानाकर्षक आन्दोलन के बाद नगर विकास स्तर पर बनी सहमत के क्रम में अगले घोषित आन्दोलन को स्थगित कर समयबद्ध निस्तारण,आदेश जारी न किए जाने पर पुनः मंत्री नगर विकास व प्रमुख सचिव से बैठक कर समाधान कराए जाने का पत्र प्रेषित किया गया। यह जानकारी महासंघ के अध्यक्ष शशि कुमार मिश्रा ने दी। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियो में महासंघ ने पुनः एक बार मंत्री नगर विकास व प्रमुख सचिव नगर विकास जी को समय रहते बैठक के माध्यम से लम्बित सभी मांगो का निस्तारण कराने हेतु पत्र प्रेषित कर समय व तिथि सुनिश्चित करने की मांग की है,अन्यथा कि स्थित में महासंघ अपने स्थगति आन्दोलन 15 जनवरी 26 के बाद किसी भी कार्य दिवस से प्रदेश ब्यापी अनिश्चितकालीन कार्य बन्दी करने हेतु विवश होगा,जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश सरकार व नगर विकास विभाग की होगी। श्री मिश्रा ने बताया कि महासंघ प्रदेश के निकाय कर्मचारियो की सेवा सम्बन्धी एवं अन्य मांगो का समाधान एक लम्बे समय से नगर विकास व निदेशालय स्तर पर लम्बित होने के कारण कर्मचारियो को समय से उनके लाभ नही प्राप्त हो रहे,जिनके कारण ऐसे कर्मचारियो को जहां आर्थिक क्षति हो रही वहीं उनकी सेवाऔ पर बहुत बुरा असर हो रहा,यह कर्मचारी 15-20 वर्षो की लम्बी सेवाएं पूर्ण करने के बाद लगातार बिना किसी लाभ के सेवानिवृत हो रहे,जिनकी पीड़ा वर्तमान सरकार में कोई नही देख रहा,महासंघ लगातार लगभग 7-8 वर्षो से संघर्ष करता आ रहा। प्रदेश सरकार के वह आदेश जिनका लाभ प्रदेश के सभी विभागो में लगभग मिल चुका,परन्तु खेद है कि वर्ष दिसम्बर 2001तक के कार्यरत पूरे प्रदेश में मात्र 315 कर्मचारियो का विनियमतीकरण करने सम्बधी जारी आदेश वर्ष फरवरी 2016 का अनुपालन नगर विकास विभाग द्वारा न किया जा सका,वही वर्ष सितम्बर 2021 में जारी दुसरा आदेश जिनमें कार्यरत तदर्थ,धारा 108 के कर्मचारियो का विनियमितीकरण करने सम्बन्धी आदेश का अभी भी तक अनुपालन न हो सका।

70 किलो खाद्य सामग्री किया नष्ट

लखनऊ। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन रोशन जैकब एवं जिलाधिकारी के निर्देश गुरुवार को कैम्पवेल रोड़ चौक स्थित लक्ष्मी टेडर्स पर छापेमार कार्यवाही की गयी। मौके पर विभिन्न ब्राण्ड के खाद्य पदार्थ जैसे रिफाइंड सोयाबीन तेल सहित कुल 08 नमूने लेकर जॉच प्रेषित किये जा रहे है। इसके अलावा एक खाद्य प्रतिष्ठान में मौके पर पायी गयी कमियो को दूर करने सुधार सूचना दी गयी। संग्रहित नमूनो की जॉच रिपोर्ट खाद्य विश्लेषक उ0प्र0 से प्राप्त होने के उपरान्त तथा निर्धारित समयान्तर्गत सुधार सूचना का सही उत्तर प्रस्तुत नहीं किये जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा के तहत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। इसी तरह राम कृपा नगर हंसखेड़ा पारा लखनऊ स्थित ओल्ड कमल गजक एंड पेठा के खाद्य प्रतिष्ठान पर छापेमार कार्यवाही संपादित की गयी। मौके पर खाद्य प्रतिष्ठान के मालिक राखी मेहरोत्रा उपस्थित पायी गयी। मौके पर परिसर में 25 व्यक्ति खाद्य कारोबार परिसर में खाद्य पदार्थो रेवड़ी चिक्की व पतीसा का निर्माण करते हुए पाये गये। खाद्य प्रतिष्ठान में लगभग 70 किग्रा कालातीत पतीसा पाया गया जिसका बाजार मूल्य लगभग 15000 रुपए है को मौके पर खाद्य कारोबारी की सहमति से गढ्ढा खोदवाकर विनष्ट कराया गया।

दो अधिकारी ईधर से उधर

लखनऊ। शासन ने गुरुवार को दो आईएएस अधिकारियों का स्थानातंरण उन्हें नयी तैनाती के आदेश दिये है। जानकारी के अनुसार राज्य ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण के सीईओ अखंड प्रताप सिंह को स्थानातंरण कर उन्हें अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के पद पर किया गया है। इसी तरह दीपा रंजन मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन लखनऊ के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण लखनऊ का अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

संपादकीय

दुनिया की दिवाली

इसमें दो राय नहीं कि हमारी अमूर्त विरासतें प्राचीन और आधुनिक सभ्यता के बीच पुल का काम करती हैं। यह महज एक स्मृति नहीं, वरन एक निरंतर बहती जीवंत विस्तारित नदी की भांति है। इसी आलोक में दिवाली को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जाना हर भारतीय के लिये गर्व व सुकून का विषय है। निस्संदेह, दिवाली हमारी सनातन संस्कृति व सभ्यता की आत्मा रही है। प्रकृति के अहसासों के अनुरूप अंधेरे के खिलाफ उजाले की जंग की प्रतीक। समाज में समता का संदेश की गरीब के घर भी भरपूर रोशनी पहुंचे। किसी भी समाज में कुम्हार, मूर्तिकार,खील बताशे वाले से लेकर व्यापारी के घर तक लक्ष्मी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि दिवाली को यह स्थान मिलने से पहले कुंभ मेले समेत देश की 15 धरोहरें इस सूची में शामिल हैं। बता दें कि इस वर्ष 19 अक्तूबर को दीपोत्सव पर अयोध्या में सरयू की राम पैड़ी पर जब 26.17 लाख दीये जलाये गए थे तो इस उपलब्धि का प्रकाश पूरी दुनिया में फैला था। गिनीज बुक आफ विश्व रिकॉर्ड में आयोजन दर्ज हुआ था। इस के बाद ही संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने अमूर्त विश्व धरोहर सूची में दिवाली को शामिल किया है। इससे पहले कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला,छाऊ नृत्य, दुर्गा पूजा आदि इस सूची में शामिल है। उल्लेखनीय है कि भारत यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की बीसवीं बैठक की दिल्ली में मेजबानी कर रहा है, जो 13 दिसंबर को समाप्त होगी। दिवाली को संस्कृति और प्रकृति से जुड़ा मानकर देश के विभिन्न भागों में दस दिसंबर को दीपावली समारोह आयोजित करने का भी फैसला लिया गया था। मकसद यही था कि ताकि विश्व के सामने इस पर्व को मजबूत सांस्कृतिक पहचान के रूप में पेश किया जा सके। निस्संदेह, दिवाली न केवल संस्कृति-प्रकृति से जुड़ी है बल्कि ज्ञान व सनातन धर्म की भी पर्याय है। निस्संदेह, इस घोषणा से इस पर्व को वैश्विक मान्यता मिल सकेगी। दरअसल, यूनेस्को ऐसी सांस्कृतिक व पारंपरिक चीजों को इस सूची में शामिल करता है जो मूर्त रूप में तो नहीं होती, मगर किसी समाज में उसकी व्यापक मान्यता होती है। वास्तव में, यूनेस्को के ऐसे प्रयासों का मकसद यही रहा है कि आने वाले समय में दुनिया की महत्वपूर्ण सांस्कृति धरोहरें सुरक्षित रहें। जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इसका लाभ मिल सके। दरअसल, इस घोषणा के बाद भारत दीपावली के निहितार्थ अंधकार से प्रकाश की ओर जाने के संदेश को पूरी दुनिया को दे सकेगा। इस बार की सूची में दुनिया की जीवित परंपराओं, सामाजिक प्रथाओं, त्योहारों, लोककला व परंपारिक ज्ञान प्रणालियों को सुरक्षित रखने वाली दुनिया की बीस अमूर्त विरासतों को इस सूची में जगह दी गई। कई पीढ़ियों से सहेजी गई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सार्थक प्रयास है यूनेस्को की पहल। निस्संदेह, ये धरोहरें विश्व के विभिन्न समुदायों की पहचान का हिस्सा हैं। सही मायनों में वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक विविधत को अक्षुण्ण बनाये रखने में मददगार साबित होंगी। निश्चय ही भारतीय संस्कृति की अमिट धरोहर वाले पर्व दीपावली का विश्व धरोहर की सूची में शामिल होना भारतीयों के लिये गर्व की बात है। जिसकी बानगी दिल्ली व देश के अन्य भागों में दूसरी दिवाली मनाने के रूप में नजर आई। निश्चय ही इस फैसले से भारतीय सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर नई मान्यता मिलेगी। दुनिया इस पर्व की भावनात्मकता के इतर इसकी आध्यात्मिकता व सामाजिक समरसता के संदेश से रूबरू हो सकेगी। निस्संदेह, यह पर्व भारतीय संस्कृति और लोकाचार से गहरे तक जुड़ा है। अब हमारी भी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि दीपावली हमेशा समृद्ध विरासत बनी रहे। दुनिया में उजाले की अंधेरे पर जीत का संदेश निरंतर जाता रहे। जो शाश्वत मानवीय मूल्यों की रक्षा का संदेश भी है। विश्वास किया जाना चाहिए कि भारत की इस अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के गहरे संदेश का पूरी दुनिया अंगीकार कर सकेगी।

चुनाव सुधार पर अहम चर्चा

बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है। इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी वोट चोरी के कृत्य को अंजाम देकर सबसे बड़ा देशविरोधी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ द आइडिया

ऑफ इंडिया यानी भारत की अवधारणा को नष्ट कर रहे हैं। राहुल गांधी पहले भी वोट चोरी के इल्जाम लगाते हुए कई सबूत भी पेश कर चुके हैं, जिनमें महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ियां सामने आई हैं। नेता प्रतिपक्ष के इन आरोपों पर भाजपा ने हमेशा चुनाव आयोग का बचाव किया है और खुद चुनाव आयोग ने भी इन आरोपों का तार्किक जवाब देने की जगह इन पर फेक का ठप्पा लगाकर खारिज कर दिया है। लेकिन लोकतंत्र इतने उथलेपन के साथ नहीं चल सकता कि विपक्ष के आरोपों को गलत कहकर अपनी जिम्मेदारी से बरी हुआ जाए। सरकार और चुनाव आयोग दोनों को इस बात का जवाब देना होगा कि आखिर मतदाता सूची में तथाकथित शुद्धिकरण की जरूरत अभी क्यों पड़ी है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने देश के 12 और राज्यों में मतदाता सूची का एसआईआर करवाया है, आज यानी 11 तारीख को एसआईआर के लिए फॉर्म भरने की आखिरी तारीख है। पहले यह मियाद 4 दिसंबर तक थी, लेकिन जब चुनाव आयोग को खुद यह समझ आया कि इतनी जल्दी करोड़ों मतदाताओं की सूची फिर से तैयार नहीं हो सकती तो तारीख आगे बढ़ाई गई। हालांकि विपक्ष पहले ही इस जल्दबाजी पर सवाल उठा रहा था। एसआईआर का मामला अदालत में भी है, लेकिन चुनाव आयोग ने न बिहार चुनाव के वक्तविपक्ष की आपत्तियों और लोगों की तकलीफों पर ध्यान दिया न अब दे रहा है। इस बीच एसआईआर के काम में लगे कई बीएलओज की अकाल मौत या गंभीर रूप से बीमार होने की खबरें आ चुकी हैं। मगर चुनाव आयोग ने यह माना ही नहीं कि बीएलओज पर काम का या कुछ खास समुदायों के वोट काटने का दबाव है। एसआईआर से जुड़े ऐसे कई सवालों पर विपक्ष सदन में भी चर्चा चाहता था ताकि देश को इस बारे में सरकार का आधिकारिक नजरिया पता चले। पिछले मानसून सत्र में विपक्ष की इस मांग को सरकार ने टाल दिया था, लेकिन शीतकालीन सत्र में सरकार अपनी जिद पर टिक नहीं पाई। एसआईआर तो नहीं लेकिन चुनाव सुधार के नाम पर चर्चा के लिए सरकार राजी हुई। अब इसमें विपक्ष ने जो मुद्दे उठाए हैं, उनके बेतुके जवाब भाजपा दे रही है।गौरतलब है कि राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान न केवल एसआईआर की बात की, बल्कि भाजपा और संघ के लोकतंत्र से खिलवाड़ पर हमला भी किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद इनके श्प्रोजेक्टश का अगला हिस्सा भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का था। राहुल ने दावा किया, श्आरएसएस ने एक-एक करके संस्थाओं पर कब्जा शुरू कर दिया। सब लोग जानते हैं कि विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति कैसे होती है। निर्वाचन आयोग, विश्वविद्यालयों, खुफिया एजेंसियों, जांच एजेंसियों और आयकर विभाग जैसी संस्थाओं पर कब्जा किया जा रहा है।राहुल गांधी ने कहा कि देश 1.5 अरब लोगों का ताना-बाना है जो वोट के माध्यम से बुना हुआ है। अगर वोट का ही मतलब नहीं रह जाएगा तो लोकसभा, विधानसभा या पंचायत, किसी का कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त की चयन प्रक्रिया से अब मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयु (नियुक्ति, सेवा-शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023श के तहत तीन सदस्यीय चयन समिति में अब प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होते हैं।इस पर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस सरकार ने दिसंबर 2023 में कानून बदल दिया ताकि अपनी मर्जी से नियुक्ति हो। किसी चुनाव आयुक्त को उसके फैसलों के लिए दंडित नहीं किया जा सके। राहुल ने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इसकी जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया।राहुल की तरह कुछ और विपक्षी सांसदों ने भी यही सवाल सदन में किया। जिसके जवाब में अब रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि हम सभी न्यायपालिका का सम्मान करते हैं। लेकिन न्यायपालिका को हर चीज में शामिल करना क्या सही है? क्या ये च्सेपरेशन ऑफ पावरश के खिलाफ तो नहीं है? और क्या हम अपनी कमजोरी को तो नहीं दिखा रहे हैं? हम अपने से कुछ नहीं कर पाएंगे, जब तक सीजेआई नहीं आएंगे। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।श उन्होंने बेतुकी बात कही कि भारत के प्रधानमंत्री के पास न्यूक्लियर बटन होता है कि नहीं? श्देश की जनता प्रधानमंत्री, देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और रणनीतियों में विश्वास करती है। भारत की चुनी हुई सरकार इतना कर सकती है लेकिन एक अच्छा चीफ इलेक्शन कमिश्नर नहीं चुन सकती। ये कौन-सी बात कही जा रही है?श इस जवाब से जाहिर हो रहा है कि भाजपा एक बार फिर मूल सवाल को भटका रही है। विपक्ष ने सीधा सवाल किया है कि जब पहले मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में प्रधानमंत्री, विपक्ष का नेता और मुख्य न्यायाधीश शामिल रहते थे, तो अब प्रधानमंत्री के साथ एक केबिनेट मंत्री को शामिल क्यों किया गया है। इसका तो सीधा मतलब यही है कि विपक्ष के नेता की राय का मतलब ही नहीं रहेगा, क्योंकि तीन लोगों की कमेटी में दो लोग एक पक्ष के रहेंगे। यहां जनता सरकार पर कितना भरोसा करती है या नहीं करती है, यह सवाल आता ही नहीं है। लेकिन भाजपा जानबूझ कर बात को घुमा रही है। वैसे राहुल ने कहा है कि कांग्रेस की सरकार बनने पर इस कानून में श्पूर्वव्यापी प्रभावश से संशोधन किया जाएगा तथा चुनाव आयुक्तों को कठघरे में लिया जाएगा।

यह हमें ही तय करना होगा कि हम कब और क्या खाते हैं

जब तक बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की स्पष्ट मांग नहीं बनेगी, यह आंदोलन गति नहीं पकड़ पाएगा। देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी-भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है। छत्तीसगढ़ में भूमगाड़ी ऑर्गेनिक ने आदिवासी किसानों के लिए बाजार का रास्ता खोला है। कर्नाटक में ऑर्गेनिक मांड्या नाम की किसान-संचालित शृंखला ने 25 करोड़ के खुदरा कारोबार के साथ साबित किया है कि किसान भी व्यावसायिक रूप से सफल हो सकते हैं। इन समुदाय-आधारित पहलों का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब हम देखते हैं कि सरकारी प्रमाणन प्रणाली अक्सर बिचौलियों के हाथ में चली जाती है और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती है। ऐसे में भरोसा पारदर्शिता और प्रत्यक्ष जुड़ाव से ही बन सकता है। मसलन, सेफ हार्वेस्ट नामक पहल बिना किसी औपचारिक प्रमाणन के भी लेबोरेटरी में जांचे, कीटनाशक मुक्त उत्पादों को उचित दामों पर बेचती है और क्यूआर कोड के जरिए उपभोक्ता को पूरी जानकारी देती है। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर से बना भरोसा ऊपर से थोपे सिस्टम से कहीं बेहतर है। दुनिया भर में कंज्यूमर सपोर्टेड एग्रीकल्चर मॉडल ने दिखाया है कि अगर उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संबंध और विश्वास हो, तो कड़े नियम की जरूरत नहीं पड़ती। भारत में भी हफ्तावार किसान बाजार और सामुदायिक सदस्यता मॉडल इसी दिशा में बढ़ रहे हैं।

डॉ. राजीव कुमार

भारत में प्राकृतिक खेती की दिशा में अब तक जो भी प्रगति हुई है, वह ज्यादातर सप्लाई साइड पर केंद्रित रही है। यानी नीतियां बनी हैं, पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं, किसानों को प्रशिक्षण भी मिल रहा है। लेकिन अभियान की असली ताकत अभी अधूरी है, क्योंकि उपभोक्ताओं की मांग अब भी कमजोर है। जब तक बाजार में प्राकृतिक उत्पादों की स्पष्ट मांग नहीं बनेगी, यह आंदोलन गति नहीं पकड़ पाएगा। देशभर में कई जमीनी स्तर के मॉडल उभर रहे हैं, जो भारी-भरकम सर्टिफिकेशन व्यवस्था से हटकर भरोसे पर आधारित काम कर रहे हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में सहज आहार नेटवर्क 9,000 किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ता है। छत्तीसगढ़ में भूमगाड़ी ऑर्गेनिक ने आदिवासी किसानों के लिए बाजार का रास्ता खोला है। कर्नाटक में ऑर्गेनिक मांड्या नाम की किसान-संचालित शृंखला ने 25 करोड़ के खुदरा कारोबार के साथ साबित किया है कि किसान भी व्यावसायिक रूप से सफल हो सकते हैं। इन समुदाय-आधारित पहलों का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब हम देखते हैं कि सरकारी प्रमाणन प्रणाली अक्सर बिचौलियों के हाथ में चली जाती है और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाती है। ऐसे में भरोसा पारदर्शिता और प्रत्यक्ष जुड़ाव से ही बन सकता है। मसलन, सेफ हार्वेस्ट नामक पहल बिना किसी औपचारिक प्रमाणन के भी लेबोरेटरी में जांचे, कीटनाशक मुक्त उत्पादों को उचित दामों पर बेचती है और क्यूआर कोड के जरिए उपभोक्ता को पूरी जानकारी देती है। यह दिखाता है कि जमीनी स्तर से बना भरोसा ऊपर से थोपे सिस्टम से कहीं बेहतर है। दुनिया भर में कंज्यूमर सपोर्टेड एग्रीकल्चर मॉडल ने दिखाया है कि अगर उपभोक्ता और उत्पादक के बीच संबंध और विश्वास हो, तो कड़े नियम की जरूरत नहीं पड़ती। भारत में भी हफ्तावार किसान बाजार और सामुदायिक सदस्यता मॉडल इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। ऐसे भरोसे पर आधारित तंत्र को फैलाना चाहिए, ना कि नौकरशाही से रेगुलेट करना चाहिए। भारत का उपभोक्ता भी बदलाव के लिए तैयार है। स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। ऑर्गेनिक भोजन की खपत हर साल लगभग 25ः बढ़ रही है, हालांकि इसका आधार अभी भी छोटा है। नीलसन की 2021 की रिपोर्ट कहती है कि 72ः भारतीय उपभोक्ता रसायन-मुक्त भोजन के लिए अधिक दाम देने को तैयार हैं, लेकिन ये संवेदनशीलता कीमत के अनुपात में घटती है। लगभग 38ः लोग 20ः तक ज्यादा देने को तैयार हैं, लेकिन 2-3 गुना कीमत कोई नहीं देगा। इससे यह तो साफ है कि मध्यम स्तर की कीमतों पर उपभोक्ता तैयार हैं, बशर्ते उन्हें भरोसा हो कि जो वे खरीद रहे हैं वह असली है। हर नया उत्पाद पहले कुछ शुरूआती अपनाने वालों (अर्ली एडॉप्टर्स) से शुरू होता है- वे लोग जो सेहत के प्रति सजग होते हैं और सामाजिक-पर्यावरणीय मूल्यों से जुड़े रहते हैं। जब ये लोग उत्पाद अपनाते हैं, तो बाजार में संकेत जाता है, निवेश आता है और धीरे-धीरे उत्पाद आम लोगों तक भी सुलभ हो जाता है। प्राकृतिक खेती भी यही रास्ता अपना सकती है। उपभोक्ता की रुचि ऐसे उत्पादों में है, जो पारदर्शी, स्थानीय और विश्वसनीय हों- जिनकी कहानी समझ में आए और जिन पर भरोसा किया जा सके। निजी क्षेत्र में भी कई संस्थाएं इस दिशा में आगे आ रही हैं। फार्माइजन 8,000 किसानों को 35,000 ग्राहकों से जोड़ता है और खेत स्तर पर डेटा साझा करता है। 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ने 27,000 किसानों का ट्रेसेबल नेटवर्क बनाया है। बिग बास्केट और वी कूल जैसे प्लेटफॉर्म प्राकृतिक उत्पादों की शृंखला बेच रहे हैं। हमें नैतिक कृषि उद्यमियों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इंदौर में जैविक सेतु इसका उदाहरण है- यह किसानों व उपभोक्ताओं को हफ्तावार हाट के माध्यम से जोड़ता है, रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देता है और एक कैफे भी चलाता है। जहां प्राकृतिक खाना परोसा जाता है। अब तक भारत की प्राकृतिक खेती की रणनीति किसानों पर केंद्रित रही है। लेकिन असली बदलाव उपभोक्ता से शुरू होता है। अगर बाजार पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदार खेती को पुरस्कृत करेगा, तो किसान भी पूरी ईमानदारी से उसका जवाब देंगे। जैसे मिलेट अभियान ने एक साधारण अनाज को सुपरफूड में बदल दिया, वैसे ही प्राकृतिक खेती को भी जमीन, स्वास्थ्य और आजीविका से जोड़कर पेश किया जा सकता है। यह कहानी सोशल मीडिया, स्कूल कैंपेन से या फार्म विजिट्स से कही जा सकती है।

प्राइवेसी और डेटा-अधिकारों पर मजबूत नीतियां अब जरूरी हैं

इनसे सुपरकंप्यूटर्स, क्लाउड, आईओटी, एआईध्एमएल, रोबोटिक्स, डेटा साइंस का समन्वय सामने आया, जो दुनिया को पहले के बजाय कहीं तेजी से बदल रहा है। वास्तव में इंटरनेट और मोबाइल क्रांति ने अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और राजनीति- चारों को एक साथ झकझोर दिया है। आर्थिक स्तर पर बाजार की सीमाएं टूट गई हैं और पारंपरिक उत्पादन-भागीदारी की जगह डेटा-आधारित प्लेटफॉर्म हावी हो गए हैं। ऑटोमेशन और एआई ने लागत, निर्णय-प्रक्रिया और श्रम-संरचना को बदल दिया है। इनोवेशन आसान हो गया है। ग्लोबल-रीच बढ़ी है। लेकिन पूंजी के एक जगह इकट्ठे होने से विषमताएं भी तीव्र हुई हैं। डिजिटल-प्रभाव ने पारिवारिक और सामुदायिक ताने-बाने में दरारें डाली हैं। युवा वर्चुअल दुनिया में पहचान, मान्यता और संबंध गढ़ रहे हैं, जिससे परंपरागत सांस्कृतिक ढांचे कमजोर हो रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर डिजिटल माध्यमों ने सूचना-वितरण और चुनावी अभियान को नई शक्ति दी है, पर साथ ही गलत सूचना, ध्रुवीकरण और बाहरी हस्तक्षेप को भी बढ़ावा दिया है। डेटा और एआई आधारित निगरानी ने शासन की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच नई खाई पैदा कर दी है, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब सूचना-नियंत्रण पर केंद्रित है। युवाओं के व्यवहार में भी स्पष्ट बदलाव आए हैं। तेज रिवॉर्ड-सिस्टम्स, तुरंत प्रतिक्रिया, अनगिनत विकल्पों ने धैर्य, दीर्घकालीन योजनाओं और सामुदायिक समर्थन के स्थान को चुनौती दी है। इस संदर्भ में चोकर गेम का उदाहरण महत्वपूर्ण है। युवा जोखिम, उत्तेजना और वायरल पहचान के लिए मूल सेफ्टी-नेट और परिवारध्समाज के परम्परागत मार्ग को छोड़ तात्कालिक वर्चुअल मान्यता की ओर रुख कर रहे हैं। वे पुराने मूल्यों जैसे परिश्रम, धैर्य, सहिष्णुता, सामूहिकता, सामाजिक संस्कार आदि को कम प्राथमिकता दे रहे हैं।

सुखवीर सिंह

पिछले दो हजार सालों में कृषि, लोहा, कागज, कम्पास, गनपाउडर, बिजली, प्रिंटिंग जैसी खोजें धीरे-धीरे सभ्यता के रूप को बदलती रही हैं। लेकिन अंतिम सौ सालों में परिवर्तन तेजी से हुआ और संचार, परिवहन, दवाई, ऊर्जा और सूचना तक पहुंच में अभूतपूर्व गति आई है। इनमें भी पिछले 25 वर्षों में जो हुआ, वह सूचना प्रौद्योगिकी के औद्योगीकरण, डेटा कलेक्शन और कंप्यूटेशनल ताकत के संयोजन का परिणाम है। इनसे सुपरकंप्यूटर्स, क्लाउड, आईओटी, एआईध्एमएल, रोबोटिक्स, डेटा साइंस का समन्वय सामने आया, जो दुनिया को पहले के बजाय कहीं तेजी से बदल रहा है। वास्तव में इंटरनेट और मोबाइल क्रांति ने अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और राजनीति- चारों को एक साथ झकझोर दिया है। आर्थिक स्तर पर बाजार की सीमाएं टूट गई हैं और पारंपरिक उत्पादन-भागीदारी की जगह डेटा-आधारित प्लेटफॉर्म हावी हो गए हैं। ऑटोमेशन और एआई ने लागत, निर्णय-प्रक्रिया और श्रम-संरचना को बदल दिया है। इनोवेशन आसान हो गया है। ग्लोबल-रीच बढ़ी है। लेकिन पूंजी के एक जगह इकट्ठे होने से विषमताएं भी तीव्र हुई हैं। डिजिटल-प्रभाव ने पारिवारिक और सामुदायिक ताने-बाने में दरारें डाली हैं। युवा वर्चुअल दुनिया में पहचान, मान्यता और संबंध गढ़ रहे हैं, जिससे परंपरागत सांस्कृतिक ढांचे कमजोर हो रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर डिजिटल माध्यमों ने सूचना-वितरण और चुनावी अभियान को नई शक्ति दी है, पर साथ ही गलत सूचना, ध्रुवीकरण और बाहरी हस्तक्षेप को भी बढ़ावा दिया है। डेटा और एआई आधारित निगरानी ने शासन की शक्ति और नागरिक की निजता के बीच नई खाई पैदा कर दी है, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब सूचना-नियंत्रण पर केंद्रित है। युवाओं के व्यवहार में भी स्पष्ट बदलाव आए हैं। तेज रिवॉर्ड-सिस्टम्स, तुरंत प्रतिक्रिया, अनगिनत विकल्पों ने धैर्य, दीर्घकालीन योजनाओं और सामुदायिक समर्थन के स्थान को चुनौती दी है। इस संदर्भ में चोकर गेम का उदाहरण महत्वपूर्ण है। युवा जोखिम, उत्तेजना और वायरल पहचान के लिए मूल सेफ्टी-नेट और परिवारध्समाज के परम्परागत मार्ग को छोड़ तात्कालिक वर्चुअल मान्यता की ओर रुख कर रहे हैं। वे पुराने मूल्यों

जैसे परिश्रम, धैर्य, सहिष्णुता, सामूहिकता, सामाजिक संस्कार आदि को कम प्राथमिकता दे रहे हैं। सफलता का आकलन लाइक्स, फॉलोअर्स, व्यूज से हो रहा है। 2050-2060 के दशक तक यह परिवर्तन किसी साधारण तकनीकी उन्नति का रूप नहीं होगा- यह वह विस्फोट हो सकता है, जो आज की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक संरचनाओं की जड़ें हिला सकता है। परंपरा आधारित व्यवस्था, पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक मान्यताएं, भाषा का स्वाभाविक विकास, रिश्तों की नैतिक परिभाषाएं और श्रम-संस्कृति- सब धीरे-धीरे टूटकर नई, डिजिटल-केंद्रित संरचनाओं में पुनर्गठित होंगी। एआई-आधारित व्यक्तिगत मॉडलिंग एक जैसे पाठ्यक्रम और एक जैसे उपचार को अप्रासंगिक बना देगी। श्रम की पारंपरिक परिभाषाएं टूटेंगी और नौकरियों की स्थिरता, करियर-मार्ग और दीर्घकालीन भूमिका जैसी अवधारणाएं इतिहास बन जाएंगी। इतना ही नहीं, परिवार, विवाह और सामुदायिक बंधन की जगह वर्चुअल और ूमनॉइड सहभागिता का नया मिश्रित ढांचा उभर सकता है, जहां एल्गोरिदमिक संगति और डिजिटल निकटता रिश्तों की नई भाषा बन जाएगी। संस्कृति और भाषा का विखंडन इतनी तेज गति से होगा कि दशकों पुरानी परंपराएं कुछ ही वर्षों में अप्रचलित लगने लगेंगी। रीति-रिवाज, सामूहिक अनुष्ठान, सामाजिक संकेतक विलीन हो जाएंगे। यही कारण है कि निजता और डेटा-अधिकारों को लेकर मजबूत नीतियां बनाई जाना जरूरी हैं। अगर ऐसा नहीं किया गया तो निगरानी और डेटा-नियंत्रण समाज की नई संस्कृति बन जाएगी- जहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक मूल्य नहीं, बल्कि दुर्लभ संपदा बनकर रह जाएगी। ऐसे में एकमात्र संभावित स्थिरता वही होगी ।

बच्चे को कब तक मां का दूध पिलाना चाहिए ? डॉक्टर ने बताई सही उम्र

मां बनना हर महिला के लिए खुशी का सबसे बड़ा पल होता है। लेकिन जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होने लगता है, कई मां के मन में यह सवाल उठने लगता है कि आखिर कब तक बच्चे को स्तनपान करवाना चाहिए और कब उसे ऊपरी दूध या सॉलिड फूड पर लाया जाए। अक्सर जल्दबाजी में स्तनपान रोक देने से बच्चे की सेहत पर बुरा असर भी पड़ सकता है।ऐसे में डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे को किस उम्र तक मां का दूध जरूर देना चाहिए और इसके क्या फायदे हैं।

6 महीने तक सिर्फ मां का दूध ही दें

डॉक्टरों के अनुसार जन्म से लेकर 6 महीने तक बच्चे को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध ही देना चाहिए। इस दौरान बच्चे को पानी तक नहीं दिया जाता, क्योंकि मां का दूध ही उसके लिए पूर्ण पोषण और हाइड्रेशन का एकमात्र स्रोत होता है।

2 साल तक स्तनपान जारी रखना जरूरी

डॉक्टर बताते हैं कि बच्चे की बेहतर ग्रोथ और इम्यूनिटी के लिए कम से कम 2 साल तक स्तनपान जारी रखना चाहिए।

अगर 2 साल के बाद भी मां और बच्चा दोनों कंफर्टेबल हों और दूध बनने में दिक्कत न हो, तो स्तनपान आगे भी जारी रखा जा सकता है।

स्तनपान के फायदे, बच्चे के लिए बेहद जरूरी

ब्रेस्टफीडिंग बच्चे में न केवल पोषण पहुंचाती है, बल्कि उसकी सेहत को कई तरह से मजबूत बनाती है।

बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत होती है और संक्रमणों से बचाव होता है (डायरिया, फ्लू, न्यूमोनिया)।

बच्चे के दिमाग और शरीर का बेहतर विकास, मां और बच्चे की इमोशनल बॉन्डिंग बढ़ती है।

कामकाजी महिलाएं भी अपने दूध को पम्प कर बोतल में भरकर बच्चे के लिए छोड़ सकती हैं।

स्तनपान न करवाने के नुकसान

यदि बच्चा मां का दूध नहीं पीता, तो उसके स्वास्थ्य पर ये प्रभाव पड़ सकते हैं।

संक्रमणों का खतरा ज्यादा और रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होना।

क्रोनिक बीमारियों का बढ़ता जोखिम और पाचन तंत्र कमजोर होना।

धीमी वृद्धि और विकास में कमी होना।

मां के लिए स्तनपान क्यों फायदेमंद है ?

बस्तनपान न सिर्फ बच्चे के लिए, बल्कि मां की सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। अगर मां स्तनपान नहीं करवाती, तो उसके स्वास्थ्य पर कई तरह के जोखिम बढ़ सकते हैं, जैसे प्रीमेनोपॉजल ब्रेस्ट कैंसर और ओवेरियन कैंसर का खतरा , टाइप-2 डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या। इसके अलावा, प्रेग्नेंसी के दौरान बढ़ा वजन कम करने में दिक्कत आती है और पोस्टपार्टम डिप्रेशन का जोखिम भी बढ़ सकता है।

डॉक्टरों की स्पष्ट सलाह है कि 6 महीने तक केवल मां का दूध और कम से कम 2 वर्ष तक स्तनपान बच्चे के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जरूरी है। इससे बच्चे की इम्यूनिटी से लेकर विकास तक हर पहलू बेहतर होता है, और मां की सेहत पर भी काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इन कारणों से खुद न लें गर्भपात की दवाएं, गंभीर साइड इफेक्ट्स और जान का जोखिम

प्रेग्नेंसी से 20वें सप्ताह अबॉर्शन कराना कानूनी तौर पर जायज है। लेकिन खुद से अबॉर्शन पिल्स लेने से स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर दिन करीब 8 महिलाएं असुरक्षित गर्भपात की वजह से मौत हो जाती है।

अबॉर्शन अपने आप में एक चुनौतीपूर्ण फैसला होता है। यह महिलाओं के शारीरिक हेल्थ के अलावा मानसिक हेल्थ को भी प्रभावित कर सकता है। असुरक्षित अबॉर्शन के कारण हर साल हजारों की संख्या में महिलाएं अपनी जान गवां देती हैं।इसलिए कभी भी डॉक्टर की सलाह के बिना अबॉर्शन पिल्स लेने की गलती नहीं करना चाहिए। क्योंकि अगर आप खुद से अबॉर्शन पिल्स लेती हैं, तो इसके खतरनाक नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बिना डॉक्टर की सलाह लिए अबॉर्शन पिल्स लेने के क्या नुकसान हो सकते हैं।

पुरुषों को क्यों पसंद आती है सुडौल महिलाएं? वजह आपको जाननी चाहिए

एक्सपर्ट के अनुसार, प्रेग्नेंसी से 20वें सप्ताह अबॉर्शन कराना कानूनी तौर पर जायज है। लेकिन खुद से अबॉर्शन पिल्स लेने से स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर दिन करीब 8 महिलाएं असुरक्षित गर्भपात की वजह से मौत हो जाती है। इसलिए इसके बारे में सावधानी बरतनी बेहद जरूरी होता है।

अबॉर्शन पिल्स के नुकसान

बता दें कि अबॉर्शन पिल्स को सही मात्रा में और सही समय पर लेना जरूरी होता है, जोकि सिर्फ डॉक्टर बता सकते हैं। खुद से ये पिल्स लेने पर खतरा रहता है कि दवा की खुराक गलत हो, जिसकी वजह से यह संभावना रहती है कि गर्भपात अधूरा हो और अधिक ब्लीडिंग होने लगे। वहीं कुछ मामलों में ब्लीडिंग इतनी ज्यादा बढ़ सकती है कि खून चढ़ाने तक की नौबत आ सकती है या फिर सर्जनी भी करवानी पड़ सकती है।

अधूरे गर्भपात की वजह से या यूट्रेस के बाहर प्रेग्नेंसी के मामले में इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसको सेप्टक अबॉर्शन कहा जाता है। इसकी वजह से पेट दर्द, तेज बुखार या वजाइनल डिस्चार्ज से दुर्गंध जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं। यह जानलेवा साबित हो सकता है।

वहीं अबॉर्शन के बाद भी काफी सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इन पिल्स का सेवन करने के बाद सामान्य तौर पर मितली, पेट दर्द और ब्लीडिंग होती है। लेकिन ऐसा अबॉर्शन पिल्स के दुष्परिणामों की वजह से हो रहा है या फिर यह नॉर्मल है। यह डॉक्टर ही बता सकते हैं। वहीं अबॉर्शन के बाद उचित देखभाल नहीं होने पर भी कई खतरनाक नतीजे हो सकते हैं।

बिजली चोरी की घर बैठे शिकायत करें और इनाम पाएं, जानें क्या है सरकार का ये नियम

अगर आपके एरिया में कोई बिजली चोरी कर रहे है, तो क्या आप जानते हैं आप उसकी शिकायत कर इनाम ले सकते हैं?

सोचिए कि अगर आपके घर में बिजली न आए तो क्या होगा? या फिर अगर बिजली है और जितना आपने इस्तेमाल किया है उससे अधिक बिल आ जाए तो फिर क्या? पर इन सबके बीच आपने ये जरूर सुना होगा कि कई जगहों पर बिजली चोरी होती है? ऐसे में अगर आपके एरिया में भी बिजली चोरी होती है, तो आप उसकी शिकायत कर सकते हैं।

इसके लिए मध्य प्रदेश सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाया है। यहां पर बिजली चोरी करना आम हो गया था जिसकी वजह से बिजली विभाग ने अब अपनी तैयारी कर ली है और इसके लिए एक एप लॉन्च किया। जहां से आप बिजली चोरी करने वालों की शिकायत कर सकते हैं और इनाम पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इस एप के बारे में और साथ ही जानेंगे कि आप कैसे बिजली चोरी करने वालों की शिकायत कर इनाम प्राप्त कर सकते हैं। अगली स्लाइड्स में इस बारे में आप जान सकते हैं...

दरअसल, मध्य प्रदेश के बिजली विभाग ने बिजली चोरी को रोकने के लिए एक एप लॉन्च किया। इस एप का नाम श-द्र३१ है। इस एप के जरिए आप उस व्यक्ति की चोरी कर सकते हैं, जो बिजली चोरी कर रहा है और इसके लिए आपको इनाम भी दिया जाएगा। सबसे खास बात कि इसमें शिकायत करने वाले की पहचान को उजागर नहीं किया जाएगा।

आप जब किसी की शिकायत दर्ज कर रहे हैं, तो आप इसमें उस व्यक्ति का फोटो, लोकेशन समेत अन्य चीजें भी डाल सकते हैं। इससे बिजली विभाग को जगह पर पहुंचने में काफी मदद मिल सकती है।

ठंड में उंगलियों की सूजन का पक्का इलाज ,एक्सपर्ट ने बताया कैसे पाएं तुरंत आराम

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही कई लोग हाथ-पैर की उंगलियों में सूजन, लालपन, खुजली और हल्के दर्द जैसी समस्याओं से परेशान होने लगते हैं। अचानक तापमान बदलने से शरीर का ब्लड सकुर्लेशन बिगड़ जाता है, जिसका असर उंगलियों पर सबसे पहले दिखाई देता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर इस परेशानी को समय रहते समझकर सही कदम उठाए जाएं, तो यह समस्या आसानी से कंट्रोल हो सकती है।

ठंड होने पर उंगलियां क्यों सूज जाती हैं?

मौसम में तापमान गिरने के कारण शरीर की नसें सिकुड़ने लगती हैं और नसों में रक्ष्त का प्रवाह धीमा पड़ जाता है। हाथ और पैर शरीर का आखिरी हिस्सा होता है इसलिए यहा तक खून धीमे-धीमे पहुंच पाता है इसी लिए उंगलियों में सूजन आती है और जब आप बहुत जल्दी गर्म हो जाते हैं तो रक्त वाहिकाएं फिर से बड़ी हो जाती हैं और रक्त आपकी उंगलियों और पैर की उंगलियों में जल्दी से फैलने लगता है जिससे दर्द या सूजन हो सकती है। ब्लड सकुर्लेशन में कमी आने के कारण फ्लूइड रिटेंशन हो सकता है हालांकि इससे बचने के कुछ उपाय भी है जिसे फॉलो करके इस समस्या से बचा जा सकता है।

ठंड के कारण सूजी हुई उंगलियों का इलाज कैसे करें?

सर्दी में नहीं सूजेंगी उंगलियां अगर करेंगे ये काम

एक्सपर्ट बताती हैं कि नियमित देखभाल से इस समस्या में काफी राहत मिल सकती है।

गर्म पानी से धोएं उंगलियांः सोने से पहले हल्के गुनगुने पानी से हाथ-पैर की उंगलियों को धोएं। इससे ब्लड सकुर्लेशन एक्टिव होता है।

तिल के तेल से मसाज करेंः साफ और सुखी उंगलियों पर तिल का तेल लगाकर 5 मिनट हल्की मसाज करें। इससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है। त्वचा का सूखापन कम होता है। सूजन और खुजली जल्दी शांत होती है।

इन चीजों का सेवन जरूर करें

ठंड के मौसम में खानपान सही रखा जाए तो उंगलियों की सूजन काफी हद तक कम हो सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार, आहार में

मैग्नीशियम और जिंक जरूर शामिल करें।

खाने में शामिल करें

कद्दू के बीज

काला चना

काजू

ये चीजें शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद करती हैं और सर्दी के मौसम में सूजन की समस्या कम करती हैं। अगली सर्दियों में समस्या न हो इसके लिए अभी से ये आदत अपनाएंइस परेशानी से पूरी तरह बचने का सबसे असरदार तरीका है कि आप अपनी दिनचर्या में हल्की एक्सरसाइज को जगह दें।

क्यों जरूरी है एक्सरसाइज?

इससे ब्लड सकुर्लेशन मजबूत होता है हाथ-पैर की उंगलियों में खून सही तरह पहुंचता है ठंड लगने पर लालपन और सूजन होने की संभावना बेहद कम हो जाती है।

यदि आपकी उंगलियां सर्दियों में बार-बार लाल, सूजी या दर्द वाली हो जाती हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। गर्म पानी, तिल तेल मसाज, सही डाइट और रोजाना थोड़ी एक्सरसाइज से यह समस्या न केवल कम होती है बल्कि भविष्य में दोबारा भी नहीं होती।

शादी से पहले शारीरिक जरूरतों पर खुली बातचीत क्यों है जरूरी ?

शादी को सफल बनाने के लिए प्यार, भरोसा, और खुली बातचीत बेहद जरूरी है। कपल अक्सर करियर, परिवार पर बात करते हैं, लेकिन अंतरंगता, प्यार और शारीरिक जरूरतों पर चर्चा नहीं करते, जिससे गलतफहमियाँ आती हैं। डॉ. सपना शर्मा के अनुसार, शादी से पहले सेक्स, रोमांस की जरूरतें और फैंटेसी पर खुलकर बात करना, या जरूरत पड़ने पर कपल काउंसलिंग लेना, रिश्ते को खुशहाल बनाने में मदद करता है। यह रोज की कोशिश है।

शादी को अक्सर प्यार और भरोसे का नया अध्याय माना जाता है, लेकिन इस रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए कई अहम बातों पर पहले से तैयारी करना जरूरी है। ज्यादातर कपल परिवार, करियर और लाइफस्टाइल जैसी चीजों पर तो खुलकर बात कर लेते हैं, लेकिन रिश्ते की असल जरूरतों, जैसे प्यार, क्लोजनेस और शारीरिक समझ, पर बातचीत नहीं कर पाते। इसी वजह से शादी के बाद कई गलतफहमियां और दूरी पैदा हो जाती है।

रिलेशनशिप और मैरिज कोच डॉ. सपना शर्मा भी मानती हैं कि शादी से पहले कुछ जरूरी मुद्दों पर चर्चा करना रिश्ते को लंबे समय तक खुशहाल बनाने में बड़ी भूमिका निभाता है।

जरूरतों और फैंटेसी पर खुलकर बातचीतः कई बार दो लोगों की सेक्स और रोमांस को लेकर जरूरतें, पसंद और फैंटेसी एक जैसी नहीं होतीं। इसलिए इस बारे में बात पहले ही बात कर लें और अगर यह अजीब लगता हो तो शादी से पहले कपल काउंसलिंग लेने पर भी विचार कर सकते हैं।

पोर्न जैसे सेक्स की झूठी उम्मीदें रिश्ते बिगाड़ सकती हैंः पोर्न साइट्स पर दिखाया जाने वाला ज्यादातर सेक्स नेचुरल नहीं होता। इसलिए वैसी ही उम्मीदें रखकर अपनी शादी को मुश्किल मेंन डालें।इन सब के बजाय लव-मेकिंग, कनेक्शन और क्लोजनेस पर ध्यान दें।

बेडरूम के बाहर की नजदीकी भी जरूरीः बेडरूम के बाहर प्यार, इज्जत, देखभाल और बातचीत इंटीमेट क्लोजनेस को मजबूत बनाती है। इसलिए एक-दूसरे को प्यार और अपनापन महसूस कराने की लगातार कोशिश आपके रिश्ते को गर्माहट देगी।

हाइजीन और ग्रूमिंग से बढ़ता है आकर्षणः बिस्तर पर जाने से पहले पर्सनल हाइजीन और ग्रूमिंग का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ये केवल बाहर की दुनिया को दिखाने के लिए नहीं होते। ताजगी, साफ-सफाई और अच्छी खुशबू अपने पार्टनर के लिए इज्जत, आकर्षण और केयर दिखाने का तरीका है।

शादी को रोज निभाने की जरूरत होती हैः सिर्फ शादी कर लेने से शादी अच्छी नहीं हो जाती। यह रोज की कोशिश है कि आप जिंदगी की चुनौतियों के बावजूद अपने पार्टनर के लिए प्यार, उत्साह और सपोर्ट के साथ मौजूद रहें।

एतिहाद एयरवेज में खाना खाने के बाद हो गई बेहोश नीलम कोठारी, नाराजगी जाहिर कर बोलीं-ऐसी लापरवाही बर्दाश्त से बाहर है

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस नीलम कोठारी भले ही अब फिल्मों में नजर नहीं आतीं, लेकिन वह अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना टोरेंटो से मुंबई की फ्लाइट का एक दुखद अनुभव शेयर किया है और बताया कि वहां खाना खाने के थोड़े समय बाद वह

बेहोश हो गई थीं लेकिन वहां के स्टाफ ने इस बात को नजरअंदाज किया। नीलम कोठारी ने एक्स हैंडल पर एयरलाइन्स से शिकायत करते हुए अपनी आपबीती सुनाई और लिखा- एतिहाद एयरलाइन्स, टोरंटो से मुंबई की मेरी लेटेस्ट फ्लाइट में मेरे साथ जिस तरह का बर्ताव हुआ, उससे मैं निराश हूं। मेरी फ्लाइट न केवल 9 घंटे लेट हुई, बल्कि खाने के बाद मैं फ्लाइट में ही बुरी तरह बीमार पड़ गई और बेहोश हो गई। उन्होंने आगे बताया-एक पैसेंजर ने मुझे मेरी सीट तक पहुंचाने में मदद की। लेकिन आपके स्टाफ की तरफ से न तो मुझे किसी प्रकार की मदद मिली और न ही मेरा हालचाल पूछा गया। मैंने आपके कस्टमर केयर से भी कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त से बाहर है। प्लीज इस मामले को जल्द ही निपटारा करें। एक्ट्रेस के पोस्ट के बाद एतिहाद एयरवेज ने रिएक्ट करते हुए लिखा, हेलो नीलम। ये सुनकर दुख हुआ। प्लीज डायरेक्ट मैसेज में हमसे बात करें। हम इस मामले की जांच करेंगे और आपकी मदद करेंगे। धन्यवाद। काम की बात करें तो नीलम कोठारी ने बॉलीवुड में 1980 और 1990 के दशक में हत्या, खुदगर्ज, लव 86, दो कैदी और अफसाना प्यार का जैसी कई फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर में करीब 45 फिल्मों में ही काम किया है। लंबे समय से ब्रेक के बाद एक्ट्रेस ने इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना नाम चमका रही हैं।

सर्दियों में गुड़ से बनाएं स्वादिष्ट खीर, स्वाद के साथ सेहत को भी मिलेगा फायदा

गुड़ न सिर्फ खीर को गहरा और कैरेमलाइज्ड स्वाद देता है, बल्कि यह शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी सहायता करता है। गुड़ वाली खीर सामान्य खीर को फेल कर देता है। ऐसे में आज हम आपके साथ गुड़ की खीर की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

सर्दियों के मौसम में कुछ लोग चीनी छोड़कर गुड़ का सेवन करना पसंद करते है। ऐसा इसलिए क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है, जोकि ठंड से राहत दिलाता है। अब गुड़ न सिर्फ ठंड बल्कि हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप चीनी से बनी मिठास से थोड़ा ब्रेक लेना चाहते हैं, तो गुड़ वाली खीर एक अच्छा ऑप्शन है।

गुड़ न सिर्फ खीर को गहरा और कैरेमलाइज्ड स्वाद देता है, बल्कि यह शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी सहायता करता है। जोकि सर्दियों के मौसम के लिए काफी फायदेमंद होता है। गुड़ वाली खीर सामान्य खीर को फेल कर देता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ गुड़ की खीर की रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं।

सामग्री

दूध- 1 लीटर

चावल- 1/4 कप (1 घंटे पहले भिगोए हुए)

गुड़- 1/2 कप या स्वादानुसार (कद्दूकस किया हुआ या छोटे टुकड़ों में)

घी-1 छोटा चम्मच

इलायची पाउडर-1/2 छोटा चम्मच

बादाम

काजू

किशमिश (कटे हुए)

केसर के धागे

गुड़ की खीर बनाने की विधि

खीर बनाने के लिए सबसे पहले एक भगोने में घी गरम करके इसमे भीगे हुए चावल डालकर भूनें।

फिर एक मिनट भूनने के बाद इसमें दूध डालकर तेज आंच पर एक उबाल आने दें। फिर जब उबाल आ जाए, तब फ्लेम को स्लो करके धीरे-धीरे पकने दें।

अब दूध को धीमी आंच पर तब तक पकाना चाहिए, जब तक चावल अच्छे से पक न जाए।

दूध की मात्रा जब आधी रह जाए और खीर मलाईदार हो जाए, तो इसमें कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर मिलाएं।

अब गैस बंद कर खीर को आंच को उतारें और 5-10 मिनट रुकने के बाद कद्दूकस किया हुआ गुड़ डालें और इसको अच्छे से मिलाएं।

आप पाएंगे कि कुछ ही देर में गुड़ पिघल जाएगा और खीर को एक अच्छा रंग और मीठा स्वाद मिलेगा।

खीर को बाउल में निकालकर ऊपर से कटे हुए मेवों और थोड़े से गुड़ के टुकड़ों से सजाकर सर्व करें।

इन बातों का रखें ध्यान

गुड़ वाली खीर बनाने के दौरान गैस की फ्लेम का खास ध्यान रखना चाहिए।

बीच-बीच में दूध और चावल को अच्छे से चलाते रहें। जिससे कि यह बर्तन की तली में चिपके नहीं।

गुड़ की खीर में गुड़ मिलाने का समय ध्यान रखें, वरना दूध फट जाएगा।

खीर के ठंडा होने के बाद इसमें कद्दूकस किया हुआ गुड़ मिलाएं।

अब खीर को गाढ़ा और स्वादिष्ट बनाने के लिए फुल क्रीम दूध या फिर भैंस के दूध का इस्तेमाल करें।

आईपीएल 2026 के ऑक्शन में कौन बनेगा सबसे महंगा खिलाड़ी

नई दिल्ली। क्या इस साल नीलामी में सबसे महंगा बिकने का रिकॉर्ड किसी युवा भारतीय खिलाड़ी के नाम जाएगा या कोई विदेशी ऑलराउंडर फिर बाजी मार लेगा इसका फैसला 16 दिसंबर को नीलामी की टेबल पर होगा। इस साल नीलामी का आयोजन अबू धाबी में होगा। आईपीएल नीलामी हर साल नए रिकॉर्ड बनाती है और खिलाड़ी कीमतों का ग्राफ लगातार ऊपर जाता रहा है। ऋषभ पंत को 2025 में 27 करोड़ रुपये मिलने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या क्ढछ 2026 में 30 करोड़ का आंकड़ा टूटेगा इस सवाल का जवाब ढूंढने के लिए यह जरूरी है कि हम देखें कि 2008 से अब तक हर साल कौन सबसे महंगा खिलाड़ी रहा है और कीमतें कैसे बढ़ती गईं। सत्र-वार नीलामी में सबसे महंगी खरीद पर एक नजर डालते हैं पहला सीजन और पहली बड़ी बोली। धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स ने 9.5 करोड़ में खरीदकर संकेत दे दिया था कि फ्रेंचाइजी नए युग में बड़े नामों पर बड़ा दांव लगाएगी। तभी से आईपीएल में मार्की खिलाड़ियों की नीलामी की परंपरा शुरू हुई। हालांकि, धोनी इसके बाद कभी नीलामी में नहीं उतरे। वह हर बार रिटेन ही हुए। दूसरे सीजन में इंग्लिश सुपरस्टार्स पर पैसा बारिश की तरह बहा। दिग्गज केविन पीटरसन और फ्लिंटॉफ दोनों 9.8-9.8 करोड़ में बिके, जो शुरूआती दौर में एक बड़ी रकम मानी जाती थी। पीटरसन को जहां चौके-छक्के लगाने में महारत हासिल थी, वहीं फ्लिंटॉप तब दुनिया के सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर्स में शुमार थे। इस साल पर्स लिमिट कम होने के कारण बोली अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन बॉन्ड और पॉलार्ड दोनों अपनी टीमों के लिए गेम-चेंजर साबित हुए। पोलार्ड की तूफानी पारियों ने मुंबई को फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम हार गई थी। आईपीएल इतिहास का पहला बड़ा ब्रेकथ्रू। गंभीर 14.9 करोड़ में बिके और बाद में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को दो बार खिताब भी दिलाया। यह नीलामी आईपीएल में कीमतों के नए युग की शुरूआत मानी जाती है। पहली बार 10 करोड़ का आंकड़ा पार हुआ था। चेन्नई सुपर किंग्स ने ऑलराउंडर जडेजा पर 12.8 करोड़ खर्च किए। यह साल ऑलराउंडर्स की बढ़ती अहमियत को दिखाता है। जडेजा इसके बाद 13 सीजन तक सीएसके का अभिन्न हिस्सा रहे और टीम को कई खिताब मैच जीतने में मदद भी की। द बिग शो नाम से मशहूर मैक्सवेल को मुंबई ने खरीदा। मैक्सवेल तब फटाफट क्रिकेट के बिग हिटर्स में एक माने जाते थे। हालांकि, वह नाम के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इसके बावजूद मुंबई की टीम खिताब जीतने में कामयाब रही थी। युवराज कैंसर से ठीक होने के बाद क्रिकेट में वापसी की और धमाका कर दिया। उनके नाम का असर देखा गया। युवराज पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14 करोड़ खर्च किए। हालांकि, युवराज का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। आरसीबी ने सीजन के बाद उन्हें रिलीज कर दिया था। युवराज लगातार दूसरे साल भी सबसे महंगे खिलाड़ी रहे और कीमत 16 करोड़ पहुंच गई। यह उस वक्त का ऑक्शन रिकॉर्ड था। युवराज पर दिल्ली ने भरोसा दिखाया, लेकिन युवी दिल्ली के लिए भी कुछ खास नहीं कर सके। आरसीबी ने वॉटसन पर दांव लगाया और वह टीम के लिए बल्लेबाजी में नहीं, बल्कि गेंदबाजी में उपयोगी खिलाड़ी साबित हुए। वॉटसन ने 179 रन बनाए, लेकिन 20 विकेट झटके। वॉटसन पर हालांकि, आरसीबी का भरोसा नहीं रहा और उन्हें अगले सीजन से पहले रिलीज कर दिया गया। स्टोक्स के आने से विदेशी ऑलराउंडर्स की वैल्यू और बढ़ गई। यह बोली इंग्लिश खिलाड़ियों की आईपीएल वैल्यू को स्थायी रूप से ऊपर ले गई। स्टोक्स पर राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स ने भरोसा दिखाया और बड़ी बोली लगाई। स्टोक्स ने आईपीएल 2017 में शानदार प्रदर्शन किया था और 316 रन बनाए थे। साथ ही 12 विकेट भी झटके थे। यह स्टोक्स का पहला आईपीएल था। राजस्थान ने स्टोक्स पर भरोसा जताया। हालांकि, नीलामी में लगी कीमत पिछली बार से थोड़ी कम रही। हालांकि, स्टोक्स का राजस्थान में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वह चोट से भी जूझते रहे थे। फ्रेंचाइजियों ने दो भारतीय खिलाड़ियों पर एक जैसी बड़ी बोली लगाई। इसमें एक मिडियम पेसर और एक मिस्ट्री स्पिनर शामिल थे। उनादकट ने तब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। वरुण के मिस्ट्री स्पिनर होने की वजह से उन पर बड़ी बोली लगी। 2020 से फ्रेंचाइजी में तेज गेंदबाजों की मांग बढ़ी। यह ट्रेंड आगे चलकर और तेज हुआ। 2020 में कमिंस को केकेआर ने रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा था। कमिंस का प्रदर्शन भी शानदार रहा था। मॉरिस ने युवराज का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ऑलराउंडर हमेशा महंगे बिकते हैं और मॉरिस ने इसे साबित किया। हालांकि, वह राजस्थान के लिए उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। यह मॉरिस का आखिरी आईपीएल साबित हुआ। एक भारतीय विकेटकीपर-बैटर के लिए भारी बोली लगी। ईशान तब हॉट प्रॉपर्टी थी और सबसे महंगे रहे। ईशान की छक्के मारने की काबिलियत पर फ्रेंचाइजी ने भरोसा जताया। उन्होंने इसे सही भी साबित किया। सैम करन ऐतिहासिक कीमत पर बिके। इंग्लिश ऑलराउंडर पर पंजाब की टीम ने भरोसा जताया। वह 2022 में इंग्लैंड की टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा रहे थे। साथ ही प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे। हालांकि, आईपीएल में उनका प्रदर्शन खराब रहा। उन्हें कप्तानी भी सौंपी गई थी। स्टार्क ने आईपीएल इतिहास की सुपर रिकॉर्ड बोली लगवा ली। यह तब तक की नीलामी की सबसे बड़ी राशि थी। पहली बार 20 करोड़ का बैरियर पार हुआ।

अंडर-19 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

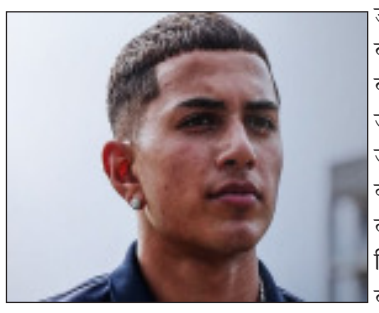

मेलबर्न। आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स जैसे दो भारतीय मूल के खिलाड़ी अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने इस वैश्विक टूनार्मेंट के लिए टीम का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने अगले साल की शुरूआत में होने वाले अंडर-19 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम में दो भारतीय मूल के खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से छह फरवरी तक होने वाले इस वैश्विक टूनार्मेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम के लिए खेलेंगे। ओलिवर पीक की कप्तानी में उतरेगी टीम आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं, जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे सीरीज में भारत के खिलाफ खेली थी। भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूनार्मेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं। जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप ए में शामिल ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरूआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी। विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीमः ओलिवर पीक (कप्तान), कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

क्या कोहली-रोहित की सैलरी से कटेंगे 2-2 करोड़

नई दिल्ली। बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि एक प्रदर्शन-आधारित, फॉर्मेट-प्राथमिकता और अनुशासन-केंद्रित मॉडल हैं। कोहली और रोहित भले ही भारत के सबसे बड़े सितारे हों, लेकिन टेस्ट और ळ20क से दूरी ने उनके ग्रेड को प्रभावित किया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि अगले कॉन्ट्रैक्ट चक्र में बोर्ड इन दिग्गजों को किस श्रेणी में रखता है। भारतीय क्रिकेट में अगले चक्र के बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट यानी केंद्रीय अनुबंध को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अप्रैल 2025 में जारी हुए पिछले कॉन्ट्रैक्ट के बाद अब नए चक्र से पहले यह खबर तेजी से फैल रही है कि टीम इंडिया के दो दिग्गज, विराट कोहली और रोहित शर्मा को अगले सत्र में वेतन कटौती का सामना करना पड़ सकता है। कोहली और रोहित सिर्फ एक प्रारूप, वनडे में टीम का हिस्सा हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बोर्ड इसे देखते हुए, एक ग्रेड कम करने पर विचार कर रहा है। ये कॉन्ट्रैक्ट सिर्फ खिलाड़ियों को एक साल का वेतन देने का जरिया नहीं हैं, बल्कि यह बीसीसीआई का एक सुव्यवस्थित मॉडल है जिसके जरिए प्रदर्शन, निरंतरता, क्रिकेट के अलग-अलग प्रारूपों में योगदान और चयनकताओं के मूल्यांकन के आधार पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने कई चौंकाने वाले फैसले भी लिए, जिसकी कभी सराहना हुई तो कभी आलोचना झेलनी पड़ी। केंद्रीय अनुबंध में जगह बनाने के लिए बीसीसीआई ने पिछले चक्र में कुछ बदलाव भी किए थे। आइए इसके बारे में जानते हैं बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट कैसे काम करता है बीसीसीआई हर साल खिलाड़ियों को चार ग्रेड में बांटता है- ए+ (अ+), ए (अ), बी (इ), और सी (उ)। हर ग्रेड के साथ एक तय सालाना वेतन जुड़ा होता है, जिसे रिटेनर फीस कहा जाता है। सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से मिलने वाली राशि मैच फीस से अलग होती है, यानी खिलाड़ी चाहे जितने मैच खेलें, यह वार्षिक रिटेनर तय रहता है। ए+ ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना सात करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें गिने चुने और नामी क्रिकेटर होते हैं। ए ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना पांच करोड़ रुपये सैलरी मिलती। इसमें भी अहम खिलाड़ियों को जगह दी जाती है। बी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना तीन करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें ज्यादातर वो खिलाड़ी होते हैं, जो एक या दो फॉर्मेट में खेल रहे हों, लेकिन कोर टीम का हिस्सा हैं। सी ग्रेड में आने वाले क्रिकेटरों को सालाना एक करोड़ रुपये सैलरी मिलती है। इसमें वो खिलाड़ी होते हैं, जिनकी टीम में जगह हमेशा पक्की न हो या फिर जिन्हें ज्यादा मैचों का अनुभव न हो। या फिर किसी एक फॉर्मेट में तय मैच खेल चुके हों। इसमें खिलाड़ियों की एंट्री होती रहती है। आइए अब जानते हैं कि क्रिकेटरों के ग्रेड कैसे तय होते है 1. फॉर्मेट प्राथमिकता और टेस्ट क्रिकेट का महत्व बीसीसीआई की नीति में टेस्ट क्रिकेट को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं, या फिर टेस्ट में बड़ा योगदान देते हैं, उन्हें ए+ ग्रेड मिलता है। इसी आधार पर उम्मीद है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को आने वाले चक्र में ए+ श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। 2. प्रदर्शन और निरंतरता सबसे अहम खिलाड़ियों का ग्रेड उनके पिछले कॉन्ट्रैक्ट साइकिल के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रमोशन दिया जाता है। वहीं, फॉर्म, फिटनेस या भागीदारी में गिरावट पर डिमोशन दिया जाता है।इसी वजह से कोहली और रोहित की स्थिति पर चर्चा शुरू हुई है। 3. न्यूनतम मैच खेलने का नियम किसी भी खिलाड़ी को ग्रेड सी के लिए पात्र बनने के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने होते हैं। जैसे किसी एक खिलाड़ी को सी ग्रेड में शामिल होने के लिए तीन टेस्ट, आठ वनडे या 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलना जरूरी है। सिर्फ ज्यादा मैच खेलने से उच्च ग्रेड नहीं मिलता, फॉर्मेट की प्राथमिकता और प्रदर्शन ज्यादा महत्वपूर्ण है। 4. घरेलू क्रिकेट में उपस्थिति अनिवार्य हाल के वर्षों में बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल रहे हैं, उन्हें घरेलू क्रिकेट, खासकर रणजी ट्रॉफी खेलना होगा। इस नियम का पालन न करने पर कई खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर भी किया गया है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन इसका सटीक उदाहरण हैं। क्या फ्ढ-ङड का सच में वेतन कटेगा कोहली और रोहित वर्तमान कॉन्ट्रैक्ट में ए+ श्रेणी में शामिल हैं, लेकिन भविष्य में यह बदल सकता है। दोनों खिलाड़ी अब टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेलते। ए+ श्रेणी केवल ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ियों के लिए रखी जाती है। ऐसे में मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा जा रहा है कि दोनों को ए ग्रेड में डाला जा सकता है। कितना नुकसान होगा ए+ ग्रेड वालों को सात करोड़ रुपये मिलते हैं और ए ग्रेड वालों को पांच करोड़। यानी दोनों खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपये प्रति वर्ष की कमी झेलनी पड़ सकती है। जडेजा की स्थिति अलग क्यों रवींद्र जडेजा ने भले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया हो, लेकिन वह अभी भी भारत की टेस्ट टीम का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए वह संभवतः ए+ श्रेणी में बने रह सकते हैं।

क्या विदेशी दौरे पर नशा करते हैं भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली। गुजरात के जामनगर उत्तर से भाजपा की विधायक और क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा विवादों में घिरती नजर आ रही हैं। एक उनका बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह भारतीय खिलाड़ियों को लेकर बड़ा दावा कर रही हैं। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा की जुबान फिसल गई और उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों पर विवादित बयान दे डाला। रिवाबा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें रिवाबा भारतीय खिलाड़ियों पर आरोप लगाते हुए दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस हैरत में हैं। रिवाबा ने नहीं लिया किसी का नाम रिवाबा एक कार्यक्रम में भाषण दे रही थी इस दौरान उन्होंने रवींद्र जडेजा की सराहना की। जडेजा की तारीफ करते वक्त रिवाबा की जुबान फिसल गई और वह अन्य भारतीय खिलाड़ियों पर विवादित बयान दे बैठीं। वीडियो में रिवाबा ने कहा, मेरे पति को लंदन, दुबई, ऑस्ट्रेलिया जैसे अनेकों देशों में खेलने के लिए जाना होता है फिर भी आज तक उन्होंने कभी व्यसन (नशा) नहीं किया क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। रिवाबा ने आगे दावा करते हुए कहा कि भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ी विदेशी दौरों पर गलत काम करते हैं। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान से विवाद खड़ा हो गया है। रिवाबा ने कहा कि जडेजा पर कोई रोक नहीं है और वह भी आराम से ऐसा कर सकते हैं, लेकिन जडेजा ऐसा नहीं करते हुए क्योंकि वह अपनी जिम्मेदारी और नैतिकता को प्राथमिकता देते हैं। जामनगर उत्तर से विधायक हैं रिवाबा रिवाबा जामनगर उत्तर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक हैं। उन्हें इस साल अक्तूबर में गुजरात में नए मंत्रिपरिषद में जगह मिली थी। रिवाबा पहली बार विधायक बनी थीं और उन्होंने 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की थी। उन्हें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार में मंत्री बनाया गया। आईपीएल में अब राजस्थान के लिए खेलेंगे जडेजा आईपीएल 2026 में रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन तक वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा थे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें मिनी नीलामी से पहले राजस्थान के साथ ट्रेड कर लिया है। संजू सैमसन के बदले राजस्थान को जडेजा और सैम करन मिले। जडेजा ने 2008 में राजस्थान की तरफ से ही आईपीएल डेब्यू किया था। अब वह एक बार फिर टीम के लिए खेलते नजर आएंगे।

जीत की लय बरकरार रखने उतरेगा भारत

मुल्लांपुर। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 आज मुल्लांपुर में है। भारतीय टीम पहले ही पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है और अब उसकी नजरें जीत की लय बरकरार रखने पर है। युवराज-हरमनप्रीत के नाम पर स्टैंड भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टी20

मैच के से पहले न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर बने स्टैंड का भी अनावरण किया गया। इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद रहे। युवराज ने 2011 वनडे विश्व कप में भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जबकि भारतीय महिला टीम ने इस साल हरमनप्रीत की कप्तानी में पहली बार वनडे विश्व कप की ट्रॉफी अपने नाम की थी। गिल को करना होगा प्रदर्शन पहले टी20 से गिल ने चोट के बाद वापसी की, लेकिन वह इसे यादगार नहीं बना सके और चार रन बनाकर आउट हुए। गिल पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गिल के पहले ही ओवर में विकेट गंवाने से भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा था। उनसे दूसरे टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने की आस होगी। विजयी संयोजन में बदलाव का जोखिम उठाएगा भारत भारत ने पहले टी20 में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की और सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। अब टीम की नजरें सीरीज में बढ़त मजबूत करने पर टिकी होंगी। आमतौर पर भारतीय टीम विजयी संयोजन से छेड़छाड़ नहीं करती, इसलिए यह देखने लायक होगा कि दूसरे टी20 के लिए क्या भारतीय टीम प्रबंधन ये जोखिम उठाएगी नमस्कार! के में आपका स्वागत है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 आज मुल्लांपुर में है। भारतीय टीम पहले ही पांच मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही है और अब उसकी नजरें जीत की लय बरकरार रखने पर है।

कोहली के खास दोस्त की कोच गंभीर को सीख

केप टाउन। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है।' आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और विराट कोहली के अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से कुछ हद तक सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है,

लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। 'कुछ हद तक गंभीर से सहमत' डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' 'परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन-चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की तारीफ की डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।

मैं मीठी बातें नहीं करता, खेल ही मेरी असली पहचान

कटक। हार्दिक पांड्या ने कहा कि हर बार जब वे मैदान पर उतरते हैं, उन्हें लगता है कि हजारों लोग सिर्फ उन्हें खेलने के लिए इंतजार कर रहे हैं और यही उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में दमदार वापसी करते हुए साबित कर दिया कि चोटें उनके जज्बे को कम नहीं कर सकतीं। लगभग दो महीने

तक लेफ्ट क्वाड्रिसेप्स इंजरी से जूझने के बाद पांड्या ने न सिर्फ बल्ले से 28 गेंदों में नाबाद 59 रन ठोके, बल्कि गेंद से भी 1/16 लेकर भारत की 101 रन की बड़ी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'मेरा लक्ष्य था मजबूत और बेहतर होकर लौटना' बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में हार्दिक पांड्या ने अपनी भावनाओं को खुलकर साझा किया। उन्होंने कहा कि चोटों ने उनकी मानसिक मजबूती की परीक्षा ली, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। पांड्या ने कहा, 'मेरा माइंडसेट सिर्फ एक था...मजबूत होकर लौटना, कुछ बड़ा करके होकर लौटना और बेहतर होकर लौटना। चोटें आपको मानसिक रूप से परखती हैं और कई बार मन में शंकाएं भी पैदा करती हैं। लेकिन मेरे अपने लोगों ने मुझे संभाला।' उन्होंने स्वीकार किया कि कठिन दौर से गुजरने के बावजूद उन्होंने अपने अंदर विश्वास कायम रखा, जिसने उन्हें मैदान पर फिर से चमकने में मदद की। 'अगर आप खुद पर यकीन नहीं करेंगे, तो दूसरे क्यों करेंगे' हार्दिक पांड्या का मानना है कि आत्मविश्वास किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अपने कौशल पर भरोसा रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद पर कितना विश्वास करता हूं, यही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैंने हमेशा माना है कि जब तक आप खुद पर भरोसा नहीं करेंगे, तब तक दूसरे भी आप पर भरोसा नहीं करेंगे।' पांड्या टी20 वर्ल्ड कप में भारत की योजनाओं का अहम हिस्सा होंगे और उनकी फिटनेस व फॉर्म टीम के लिए बड़ा सकारात्मक संकेत है। 'मैं मीठी बातें नहीं करता, मैं असलियत में जीता हूं' अपने व्यक्तित्व के बारे में बात करते हुए हार्दिक ने कहा कि वे कभी दिखावा नहीं करते। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत ईमानदार हूं, बहुत रियल हूं। मैं चीजों को सुंदर पैकेज में पेश नहीं करता...मीठी बातें नहीं करता। मेरे लिए मायने रखता है कि मैं अंदर से कैसा महसूस करता हूं, लोग क्या सोचते हैं उससे फर्क नहीं पड़ता।' पांड्या का कहना है कि अब वे सिर्फ खेल का आनंद लेना चाहते हैं और क्रिकेट में और बड़ा करना चाहते हैं। 'भड़के हुए भीड़ को प्यार में बदला' हार्दिक पांड्या ने यह भी बताया कि उन्हें भीड़ से मिलने वाली ऊर्जा से बेहद लगाव है। उन्होंने कहा, 'आपको एक रॉकस्टार होना चाहिए। आप आते हो, 10 मिनट खेलते हो और भीड़ पागल हो जाती है। यही मुझे मोटिवेट करता है।' उन्होंने याद किया कि कैसे 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने पर उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद वही भीड़ उनका नाम लेने लगी। 'जिंदगी ने नींबू फेंके, मैंने शरबत बना लिया' अपने संघर्ष को एक लाइन में समेटते हुए हार्दिक बोले, 'जिंदगी ने मुझ पर कई नींबू फेंके, और मैंने हर बार नींबू का शरबत बनाया।' उन्होंने कहा कि हर बार जब वे मैदान पर उतरते हैं, उन्हें लगता है कि हजारों लोग सिर्फ उन्हें खेलने के लिए इंतजार कर रहे हैं और यही उन्हें और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है।

हिन्दी दैनिक
कर्फ्यू
लखनऊ, शुक्रवार 12 दिसम्बर , 2025

ईयू की 2035 समय-सीमा अब अनिश्चित

नई दिल्ली। कई यूरोपीय ऑटोमोबाइल कंपनियां और उनके सप्लायर इस उम्मीद में कम्बशन इंजन वाली कारों को नई जिंदगी देने की तैयारी कर रहे हैं कि यूरोपियन यूनियन इस टेक्नोलॉजी पर लगाए जाने वाले अपने प्लान किए गए बैन को वापस ले लेगा। यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा 2035 से नए दहन इंजन वाहनों पर प्रस्तावित प्रतिबंध अब पहले जितना निर्णायक नहीं दिख रहा है। इसी आशंका के बीच यूरोप की कई ऑटो कंपनियां और उनके आपूर्तिकर्ता फिर से ऐसे वाहनों की दीर्घकालिक योजना पर काम शुरू कर रहे हैं, जो इलेक्ट्रिक नहीं बल्कि पारंपरिक इंजन का इस्तेमाल करेंगे। निर्माता आपूर्तिकताओं से कह रहे हैं- ₹नॉन-ईवी मॉडल तैयार रखें उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, कई पार्ट्स निर्माताओं को वाहन कंपनियों से यह संकेत मिल रहे

हैं कि उन्हें 2035 के बाद भी यूरोपीय बाजार के लिए गैर-ईवी मॉडलों की आपूर्ति के लिए तैयार रहना चाहिए। क्योंकि वाहन निर्माण की योजनाएं कई वर्षों पहले बनाई जाती हैं और काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मर्सिडीज-बेंज, स्टेलैंटिस और बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियां अभी से इस संभावना के लिए रणनीति बना रही हैं कि उनके दहन इंजन वाले वाहन स्वच्छ तकनीकों की ओर संक्रमण में अरबों यूरो का निवेश शामिल होता है। इसलिए यह संभावित बदलाव 2035 के बाद भी बाजार में उपलब्ध रहेंगे। हालांकि यह चचाएं अभी प्रारंभिक स्तर पर हैं और ईयू के अंतिम नियमों के आधार पर इनमें बदलाव संभव है। 2035 तक केवल इएश२ अपनाने के लिए लोग तैयार नहीं यूरोपीय सप्लायर एसोसिएशन उछएढअ के सेक्रेटरी जनरल बेनजामिन क्रिगर ने कहा कि कई कार निमार्ता स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि 2035 के बाद भी कुछ रूप में दहन इंजन, जैसे प्लग-इन हाइब्रिड या रेंज-एक्सटेंडर की आवश्यकता होगी। उनके अनुसार, ₹लोग अभी केवल बैटरी-इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। मर्सिडीज ने बयान जारी कर कहा कि कंपनी यूरोप में 2030 के दशक के अंत तक ₹ग्राहकों की मांग के अनुरूप, चाहे ऑल-इलेक्ट्रिक ड्राइव हो या इलेक्ट्रिफाइड दहन इंजन, दोनों विकल्प₹ उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। स्टेलैंटिस और बीएमडब्ल्यू ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया। चीनी प्रतिस्पर्धा से यूरोपीय उद्योग दबाव में ईवी की असमान गति से हो रही वृद्धि और इ ऊ (बीवाईडी) जैसी चीनी कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने यूरोपीय निमार्ताओं को अतिरिक्त क्षमता की समस्या से जूझने पर मजबूर कर दिया है। इस स्थिति में जर्मनी और फ्रांस जैसी सरकारें तथा उद्योग समूह ईयू के 2035 प्रतिबंध की समीक्षा की मांग कर रहे हैं। ईवी अपनाने की धीमी रफ्तार को देखते हुए समीक्षा प्रक्रिया 2026 से पहले ही शुरू कर दी गई है।

अवैध प्रवासियों को ले जा रही नाव क्रोएशिया की नदी में पलटी तीन की की मौत

जाब्रेग। दक्षिण पूर्व यूरोप का देश क्रोएशिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पूर्वी क्रोएशिया में गुरुवार सुबह सावा नदी में एक नाव पलटने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हुए। यह हादसा सलावोंस्की ब्रॉड शहर में बॉस्निया की सीमा के पास हुआ। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अवैध प्रवासी घने धुंध में नदी पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी नाव पलट गई। इस हादसे को लेकर दमकलकर्मी इवान वुलेटा ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं को सुबह 5:30 बजे कॉल मिली और उन्होंने रेस्क्यू बोट से राहत कार्य शुरू किया। वहीं पुलिस ने बताया कि बोस्निया का एक शख्स लोगों की तस्करी के शक में हिरासत में है और अस्पताल में भर्ती है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो अभी घायलों और मृतकों की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं हुआ है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन ने 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' विधेयक पारित किया है, जो 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने का प्रावधान करता है

और सैनिकों के वेतन व सुविधाओं में सुधार का प्रावधान भी करता है। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं। इस विधेयक में अधिकांश सैन्य कर्मियों के वेतन में 3.8 फीसदी की वृद्धि और सैन्य ठिकानों पर रहने और सुविधाओं में सुधार करने और राजनीतिक दलों के बीच समझाते का प्रावधान भी है। ट्रंप की नीति के अनुरूप इसमें जलवायु और विविधता से जुड़े प्रयासों को कम किया गया है। साथ ही, पेंटागन पर कांग्रेस की निगरानी बढ़ाई गई है और कई पुराने युद्ध प्राधिकरण रद्द किए गए हैं। इसके बावजूद कुछ सख्त रुख वाले दक्षिणपंथी नाराज हैं, क्योंकि उनका मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की विदेश में मौजूद प्रतिबद्धताओं को कम नहीं करता। सैन्य हथियारों की खरीद के तरीके में बदलाव सैन्य मामलों के पर्यवेक्षक का कहना है कि इस विधेयक में पेंटागन की हथियार खरीद प्रक्रिया में बदलाव होगा और इसमें तेजी लाने पर जोर दिया गया है, क्योंकि रक्षा उद्योग में पिछले कई वर्षों से देरी हो रही है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के लिए भी यह प्राथमिकता है। सांसद एडम स्मिथ ने कहा कि यह विधेयक अधिग्रहण सुधार के लिए सबसे अहम प्रयास है।

सड़कों पर उतरे दस लाख से ज्यादा कामगार

लिस्बन। पुर्तगाल में दो मुख्य कर्मचारी संघों की हड़ताल ने देशभर में हलचल मचा दी है। एक साथ दस लाख से ज्यादा कामगारों के सड़क पर उतरने की खबर से चारों तरफ हलचल मची हुई है। इस हड़ताल के कारण फ्लाइट और ट्रेन सेवाएं, सरकारी कामकाज बंद और स्कूल-कॉलेज की क्लासें रद्द होने की भी उम्मीद है। पुर्तगाल में गुरुवार को देश के दो मुख्य कर्मचारी संघों की हड़ताल ने देशभर में हलचल पैदा कर दी है। संभावना इस बात की तेज है कि इस हड़ताल के चलते देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट और ट्रेन सेवाओं में रुकावट आएंगी। साथ ही कई सरकारी सेवाओं का बंद रहना और मेडिकल अपॉइंटमेंट व स्कूल-कॉलेज की क्लासें रद्द होने की संभावना तेज है। मीडिया रिपोर्टस की माने तो इस हड़ताल में करीब एक मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा कामगारों के शामिल होने की उम्मीद है। यह देश में पिछले 10 वर्षों में सबसे बड़ी हड़ताल मानी जा रही है। हड़ताल के मुख्य कारण दक्षिण सरकार की रोजगार कानूनों में बदलाव की योजना है। मामले में कर्मचारी संघों का आरोप है कि सरकार के प्रस्तावित बदलाव कामगारों के

हक और सुविधाओं को कम कर देंगे। वहीं बात अगर सरकार के पक्ष की करें तो सरकार का कहना है कि ये बदलाव अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और विकास को बढ़ावा देने के लिए जरूरी हैं। हड़ताल और प्रदर्शन संघों ने गुरुवार को सड़कों पर मार्च और प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। यह 2013 के बाद पहली बार है जब जनरल वर्कर्स यूनियन और जनरल कॉन्फेडरेशन ऑफ पुर्तगाली वर्कर्स ने मिलकर यह हड़ताल की है।हालांकि सामाजिक डेमोक्रेट प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो ने हड़ताल को बेवकूफी भरा बताया और कहा कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है। सरकार के प्रस्तावित बदलावों में क्या-क्या? बता दें कि सरकार के प्रस्तावित बदलावों में कंपनियों के लिए कर्मचारियों को निकालना आसान करना। कुछ क्षेत्रों में हड़ताल करने का अधिकार कम करना और माताओं के लिए स्तनपान ब्रेक को पहले दो साल तक सीमित करना, जबकि अब यह खुला रहता है। अब समझिए कैसी है पुर्तगाल की स्थिति? गौरतलब है कि पुर्तगाल यूरोपीय संघ (ईयू) की सबसे छोटी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यहां की औसत मासिक वेतन लगभग 1,600 यूरो (लगभग 169000 रुपया) है। वहीं न्यूनतम मासिक वेतन 870 यूरो (लगभग 92,000 रुपया) है। गौर करने वाली बात है कि देश में आवास और महंगाई संकट भी जारी है, क्योंकि संपत्ति की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इसके साथ ही बेरोजगारी लगभग छह प्रतिशत है, जो ईयू के औसत के बराबर है। ऐसे में यूरोपीय आयोग ने उम्मीद जताई है कि इस साल पुर्तगाल की जीडीपी वृद्धि लगभग दो प्रतिशत होगी, जो ईयू के औसत 1.4 प्रतिशत से ज्यादा है।

भारत को छोड़ पाकिस्तान के साथ जाने को बेताब बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से ही मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रही है। दोनों देशों के बीच रक्षा से लेकर व्यापार तक के क्षेत्र में कई समझौते हुए हैं। अब चीन के नेतृत्व में पाकिस्तान दक्षिण एशिया में एक गठबंधन तैयार करने पर जोर दे रहा है, जिसमें भारत शामिल न हो। अब बांग्लादेश ने ऐसे गठबंधन में दिलचस्पी दिखाई है। बांग्लादेश में पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से ही स्थितियां गंभीर बनी हुई हैं। खासकर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में बांग्लादेश लगातार कट्टरपंथ की तरफ बढ़ा है। आलम यह है कि उसकी विदेश नीति भी भारत से दूर होकर पाकिस्तान पर केंद्रित होती दिख रही है। इसका एक उदाहरण बुधवार को मिला, जब बांग्लादेश के मौजूदा विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि यह कूटनीतिक तौर पर संभव है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान के उस क्षेत्रीय गठबंधन में शामिल हो जाए, जिसमें भारत शामिल नहीं है। बांग्लादेश की न्यूज एजेंसी संवाद संस्था (बीएसएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, तौहीद ने कहा कि इस तरह के कूटनीतिक समूह में नेपाल और भूटान का शामिल होना शायद संभव न हो। उन्होंने कहा, ₹यह हमारे लिए (बांग्लादेश के लिए) कूटनीतिक तौर पर संभव है, लेकिन नेपाल और भूटान का पाकिस्तान के साथ किसी समूह में शामिल होना, वह भी जिसमें भारत न हो, के साथ जुड़ना मुमकिन नहीं है। तौहीद ने कहा कि इशाक डार ने कुछ कहा है और किसी मौके पर इसमें प्रगति भी हो सकती है। हालांकि, उन्होंने मामले पर आगे टिप्पणी से इनकार कर दिया और कहा कि उन्हें ऐसे गठबंधन के बारे में मीडिया से ही जानकारी मिली है। क्या है पाकिस्तान की तैयारी, जिस पर भारत की करीब से नजर? पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने हाल ही में दावा किया था कि बांग्लादेश-चीन और पाकिस्तान का त्रिपक्षीय गठबंधन बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है और इसे बाकी क्षेत्रीय और क्षेत्र के बाहर की ताकतों को शामिल कर के बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि अगस्त 2024 में शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़ने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही इस देश का रुख पाकिस्तान की तरफ नरम हुआ है। बांग्लादेश ने उसी देश के साथ अपने रिश्तों को गहरा करना शुरू कर दिया है, जिसकी सत्ता ने कभी पूर्वी पाकिस्तान में बांग्ला भाषियों पर जुल्म ढाए थे। यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच रक्षा, व्यापार, कूटनीतिक और ढाचांगत मामलों से जुड़ी चचाएं और समझौते हुए हैं। चीन कैसे बन रहा दक्षिण एशिया में भारत-विरोधी गठबंधन का सरपरस्त? गौरतलब है कि दक्षिण एशिया में भारत के बिना अलग-अलग देशों के गठबंधन की चचाओं को चीन ने ही जोर-शोर से बढ़ाया। इस एवज में चीन ने इस साल जून में एक त्रिपक्षीय बैठक भी रखी थी, जिसमें चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के सचिव स्तर के अधिकारियों की मुलाकात हुई थी। इस बैठक को चीन के कुनमिंग में रखा गया था। इसी दौरान ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान और चीन साथ में एक नया क्षेत्रीय गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जो कि सार्क (साउथ एशियन एसोसिएशन फॉर रीजनल कोऑपेशन) का विकल्प बन सकता है। चूंकि सार्क में भारत सबसे प्रमुख ताकत वाला देश है, इसलिए पाकिस्तान की आवाज इस संगठन में कमजोर पड़ जाती है। सार्क बीते कुछ वर्षों में पूरी तरह से निष्क्रिय है। 2016 में पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से अंजाम दिए गए उड़ी हमले के बाद से ही इस संगठन की प्रमुख बैठकें नहीं हुई हैं। इसी मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान ने चीन की मदद से दक्षिण एशिया में भारत के बिना एक गठबंधन बनाने की कोशिशें शुरू कर दीं। चूंकि बांग्लादेश में भी भारत का समर्थन करने वाली शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया गया, ऐसे में पाकिस्तान को यूनुस सरकार को अपने साथ लाने में सफलता मिली।

11 माह बाद सामने आईं मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुई मजबूर

ओस्लो। वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरीना मचाडो 11 महीने बाद ओस्लो में सार्वजनिक तौर पर दिखीं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। जनवरी 2024 में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत और बढ़ते खतरे के कारण वह छिपकर रह रही थीं। समर्थकों ने 'फ्रीडम' के नारे लगाए। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे। क्यों छिपी हुई थी मचाडो? बता दें कि जनवरी 2024 में करकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे खुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी। माचाडो ने बनाई थी ये योजना माचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया। वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कैराकस की एक कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हटाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं। नोबेल समिति ने क्या कहा? वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

राष्ट्रपति यून को बचाने के लिए रची थी साजिश

सियोल। वकील चो यून-सुक की जांच टीम का दावा है कि पूर्व कार्यवाहक नेता चोई सांग-मोक ने अपने कर्तव्य में लापरवाही बरती थी। उन्होंने कहा कि उनके एक कदम ने

राष्ट्रपति यून को पद से हटाने की संभावना को कमजोर कर दिया था। दक्षिण कोरिया के पूर्व कार्यवाहक नेता चोई सांग-मोक पर गुरुवार को तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक येओल की ओर से दिसंबर 2024 में थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू करने से संबंधित आरोपों में अभियोग लगाया गया। सांग-मोक इस मामले में कानूनी मुश्किलों में फंसने वाले सबसे नए हाई-प्रोफाइल शख्स बन गए हैं। चोई उन तीन शीर्ष यून प्रशासन के अधिकारियों में से एक हैं जिन्होंने यून के महाभियोग और पद से हटाए जाने के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। यह महाभियोग मार्शल लॉ की घोषणा के कारण लगाया गया था, जिसने दक्षिण कोरिया को बड़े पैमाने पर राजनीतिक उथल-पुथल में डाल दिया था। पूर्व राष्ट्रपति यून काट रहे हैं जेल यून फिलहाल जेल में हैं और उन पर विद्रोह के आरोपों में एक बहुचर्चित आपराधिक मुकदमा चल रहा है। यून प्रशासन के दर्जनों उच्च-स्तरीय अधिकारियों और सैन्य कमांडरों को भी यून के मार्शल लॉ की विफलता और अन्य आरोपों में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है, उन पर आरोप लगाए गए हैं या उनसे पूछताछ की जा रही है। वकील ने किया साजिश का खुलासा वकील चो यून-सुक के नेतृत्व वाली एक जांच टीम ने गुरुवार को चोई पर नौ सदस्यीय संवैधानिक अदालत में तीन खाली सीटों को पूरी तरह से बहाल न करने के लिए कर्तव्य की उपेक्षा का आरोप लगाया, जो इस बात पर विचार कर रहा था कि यून को पद से हटाया जाए या नहीं। चोई के इस कदम से बचे रहे यून अदालत को पूरी क्षमता के साथ बहाल करना एक ऐसा कदम माना जा रहा था जिससे यून को पद से हटाने की संभावना बढ़ सकती थी, क्योंकि उन्हें बर्खास्त करने के लिए अदालत के फैसले को कम से कम छह न्यायाधीशों के समर्थन की आवश्यकता थी। चोई, जो यून के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री थे, ने दो नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की, लेकिन नौवें न्यायाधीश का पद खाली छोड़ दिया, जिसका कारण उन्होंने अंतरिम राष्ट्रपति बनने पर द्विदलीय सहमति का अभाव बताया। कर्तव्य में लापरवाही के लगे आरोप अप्रैल में अदालत के आठ न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से यून को पद से हटाने का फैसला सुनाया। सहायक विशेष अभियोजक पार्क जी-यंग ने एक ब्रीफिंग में बताया कि चो की टीम ने एक अन्य कार्यवाहक नेता हान डक-सू पर भी कर्तव्य में लापरवाही का यही आरोप लगाया है।

बांग्लादेश में पहले आम चुनाव की तारीख का एलान

ढाका। बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को आम चुनाव कराएगा। पिछले साल छात्र आंदोलन से शेख हसीना के हटने के बाद इस दक्षिण एशियाई देश पहला चुनाव होगा। हसीना की पार्टी अवामी लीग देश की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन इसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने गुरुवार को आम चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया। प्रधानमंत्री पद से शेख हसीना के हटाने के बाद के बाद देश में यह पहला चुनाव हो रहा है। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने गुरुवार को एलान किया कि बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को 13वां संसदीय चुनाव होगा। यह अगस्त 2024 में हिंसक छात्र विरोध प्रदर्शन में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के बाद पहला चुनाव होगा। विद्रोह के बाद बांग्लादेश का पहला आम चुनाव बांग्लादेश फरवरी में आम चुनाव कराएगा। यह 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन से शेख हसीना के हटने के बाद इस दक्षिण एशियाई देश पहला चुनाव होगा। हसीना की पार्टी अवामी लीग देश की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन इसे चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। अब 17.3 करोड़ की आबादी वाला यह मुस्लिम-बहुल देश पूरी तरह बदले हुए राजनीतिक माहौल में मतदान करने जा रहा है। यहां इस पड़ोसी देश के सियासी माहौल पर एक नजर डालते हैं। बीएनपी सबसे प्रभावी राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) इस चुनावी माहौल में सबसे आगे है। यह दल पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी चुनाव की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। अमेरिकी इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट के दिसंबर सर्वे ने अनुमान लगाया कि बीएनपी सबसे ज्यादा सीटें जीत सकती है। 1978 में जिया के दिवंगत पति और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की बनाई बीएनपी, बांग्लादेशी राष्ट्रवाद, आर्थिक उदारीकरण और भ्रष्टाचार-विरोधी सुधारों का समर्थन करती है। खालिदा जिया की खराब सेहत और उनके बेटे व कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की गैरमौजूदगी इस पार्टी की चुनौतियां हैं। रहमान निर्वासन में लंदन में हैं। हालांकि, उन्होंने चुनाव से पहले लौटने का वादा किया है। जमात-ए-इस्लामी दोबारा बढ़ता प्रभाव हसीना सरकार की प्रतिबंधित इस्लामवादी पार्टी जमात-ए-इस्लामी छात्रों के विद्रोह के बाद फिर सक्रिय हो गई है। इसके चुनावों में दूसरे स्थान पर रहने की उम्मीद है। शफीकुर रहमान के नेतृत्व में जमात शरीयत आधारित शासन इस्लामी शासन की वकालत करती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नाजिया खातून द्वारा श्रीमहावीर आफसेट 28 शिवाजी मार्ग हीवेटरोड लखनऊ से मुद्रित कराकर 532 ख/53क मेंहदी टोला
अलीगंज लखनऊ से प्रकाशित सम्पादक : शहनाज सिद्दीकी Mob. 9305086477 E-mail : curfewindia@gmail.com R.N.I. UPHIN/2006/17039

हिन्दी दैनिक
कचहरी
लखनऊ, शुक्रवार 12 दिसम्बर , 2025

आलिया भट्ट को मिला गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड, दुबई में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई सम्मानित

अभिनेत्री आलिया भट्ट की गिनती मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब आलिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्हें गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। जानिए इसे जीतने पर एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है। आलिया ने जताई खुशी गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है। गोल्डन ग्लोब की अध्यक्ष ने की आलिया की प्रशंसा इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है। अल्फा में नजर आएंगी आलिया वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म अल्फा में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। आलिया आखिरी बार फिल्म जिगरा में नजर आई थीं।

दिलीप कुमार की 103वीं जयंती पर सायरा बानो का भावुक पोस्ट, कहा–हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में ..

बॉलीवुड के लीजेंड्री एक्टर दिलीप कुमार का 7 जुलाई, 2021 को निधन हो गय था। उनके जाने से सिनेमा जगत को तो बड़ी क्षति हुई ही, वहीं उनके चाहने वालों ने भी अनमोल रत्न खो दिया। अगर आज एक्टर जिंदा होते तो अपना 103वां बर्थडे मनाते। 11 दिसंबर को आज दिवंगत एक्टर की बर्थ जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर एक बार फिर उनके चाहने वाले नम आंखों से उन्हें याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, सायरा बानो ने भी अपने दिवंगत पति दिलीप साहब को याद करते हुए एक लंबा सा पोस्ट शेयर किया है। सायरा बानो ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हर साल जब यह दिन आता है, तो मेरे दिल में एक अजीब हलचल उठती है। उन सभी पलों की याद जब मैंने आपको न केवल दुनिया के लिए एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक ऐसे बेहतरीन इंसान के रूप में देखा, जिन्हें मैं जानती हूं। लोग अक्सर आपको एक संस्था, एक असाधारण और बेजोड़ प्रतिभा कहते हैं और वे सही भी हैं। लेकिन मैंने आपके कुछ अनसुने करिश्मे भी देखे हैं। जिस तरह आप हर भूमिका के लिए उस समय, उस खामोशी में सांस लेकर तैयारी करते थे। जिस तरह आप हर किरदार में इस कदर घुल-मिल जाते थे कि यहां तक कि मैं, जो आपको सबसे अच्छी तरह जानती थी, मैं भी उस अभिनय के पीछे छिपे इंसान को खोजने लगती थी। आपका समर्पण हमेशा आपकी कला और आपके प्रशंसकों के लिए तोहफा है।अपनी इस पोस्ट में सायरा बानो ने दिलीप कुमार के साथ के कुछ पुराने वीडियोज भी शेयर किए हैं। इसमें से एक वीडियोमें सायरा बानो दिलीप कुमार के प्रति अपने प्यार का इजहार कर रही हैं। वो दिलीप साहब को सबसे खूबसूरत बताते हुए कहती हैं कि मेरी मोहब्बत हम दोनों के लिए काफी है। भले इन्हें मुझसे उतनी ही मोहब्बत हो न हो। इसके अलावा एक अन्य वीडियो में दिलीप साहब और सायरा बानो अपने बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। बता दें, दिलीप कुमार और सायरा बानो ने 11 अक्टूबर 1966 को शादी रचाई थी। उस वक्त सायरा बानो सिर्फ 22 साल की थीं, जबकि दिलीप कुमार की उम्र 44 साल थी। एक्ट्रेस पूरे 20 साल एक्टर से छोटी थीं।

शोले की आग बुझी, महाभारत के कर्ण ने कहा अलविदा, इस साल ने छीने कई सितारे

साल 2025 का अंतिम महीना चल रहा है। मनोरंजन जगत के लिए यह साल यादगार के साथ दर्दभरा भी रहा। इस साल कई सितारों ने डेब्यू किया तो कई ने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह लिस्ट काफी लंबी है। इसमें शोले के धर्मेंद्र तो सिंगर जुबिन गर्ग और शेफाली जरीवाला का भी नाम शामिल है। एक दौर था जब हीमैन धर्मेंद्र की एक्शन और मुस्कान के साथ डायलॉग डिलीवरी पर फैंस फिदा हो जाते थे। उनका जाना न सिर्फ इंडस्ट्री का नुकसान है, बल्कि एक पूरी पीढ़ी की सांस्कृतिक विरासत का क्षय है। मनोज कुमार- साल के शुरूआती महीने में ही दुखद खबर मिली। 4 अप्रैल को भारत कुमार मनोज कुमार हमें अलविदा कह गए। 87 वर्षीय दिग्गज, जिन्होंने उपकार, पूरब और पश्चिम जैसी देशभक्ति फिल्मों से राष्ट्रप्रेम की मशाल जलाई, लंबी बीमारी से जूझते हुए मुंबई की कोकिलाबेन अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका जाना कुछऐसा है, जैसे 60-70 के दशक का एक अध्याय हमेशा के लिए बंद हो गया। मुकुल देवरू- मनोज कुमार के बाद मई का वह काला दिन आया, जब अभिनेता मुकुल देव के निधन की खबर फैल गई। 23 मई को मुकुल देव, मात्र 54 वर्ष की उम्र में लंबी बीमारी के बाद दुनिया छोड़ गए। श्कहानीश और स्पेशल 26 जैसी फिल्मोंमें अपनी दमदार मौजूदगी से याद आने वाले मुकुल, अभिनेता और खलनायक की भूमिका में जान फूंक देते थे। ।फाली जरीवाला- जिंदगी की पटकथा अनिश्चित होती है। फैंस को एक और झटका 28 जून को लगा, जब शेफाली जरीवाला, के निधन की खबर आई। कांटा लगा गर्ल कार्डियक अरेस्ट से 42 वर्ष की उम्र में दुनिया से चल बसीं। मुझसे शादी करोगी और सलमान खान के टीवी शो बिग बॉस से पहचान बनाने वाली शेफाली की मौत ने फैंस को स्तब्ध कर दिया था। अच्युत पोद्दार- अगस्त ने फिर से घाव दिए। 18 अगस्त को थ्री इडियट्स और लगे रहो मुन्नाभाई में यादगार भूमिका निभाने वाले एक्टर का निधन हो गया। उनकी सादगी भरी एक्टिंग दर्शकों को खासा पसंद आती थी। प्रेम सागर रू- अगस्त महीने के अंत में दुखद खबर फिर से सामने आई। 31 अगस्त को रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर, कैंसर से जूझते हुए 81 वर्ष की आयु में अलविदा कह गए। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के निमार्ता के रूप में उनकी विरासत टीवी इतिहास का सुनहरा अध्याय है। जुबिन गर्ग- 19 सितंबर को असम, बंगाली और बॉलीवुड के लोकप्रिय सिंगर जुबिन गर्ग का निधन सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हो गया। 52 वर्षीय जुबिन की आवाज हमेशा के लिए बंद हो गई। पंकज धीर- 15 अक्टूबर को महाभारत के कर्ण पंकज धीर कैंसर से लड़ते हुए 68 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। महाभारत में कर्ण का किरदार निभाकर घर-घर लोकप्रिय हुए अभिनेता पंकज धीर को आवाज और दमदार अभिनय की वजह से काफी पसंद किया जाता था।असरानी और सुलक्षणा पंडित- 20 अक्टूबर को शोले के जेलर असरानी, 84 वर्ष की उम्र में चल बसे। वहीं, 70 के दशक की मशहूर गायिका-अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का 6 नवंबर को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। सतीश शाह-साराभाई वर्सेज साराभाई के सतीश शाह ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। कई टीवी सीरियल्स के साथ ही फिल्मों में भी काम कर चुके सतीश शाह का निधन 25 अक्टूबर को हो गया था।

सारा अर्जुन ने आदित्य धर को बताया असली 'धुरंधर'

शेयर किया इमोशनल नोट; निर्देशक ने सीक्वल को लेकर बताई यह बात

'धुरंधर' की रिलीज को आज पूरे सात दिन हो चुके हैं। फिल्म का कलेक्शन आसमान छू रहा है। हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने निर्देशक आदित्य धर के लिए दिल छू लेने वाला नोट लिखा है।

फिल्म धुरंधर की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने आज अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली 'धुरंधर' बताया है। सारा का पोस्ट सारा अर्जुन ने आज इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें 'सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान' बताया और कहा कि वे सचमुच 'धुरंधर' हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं। सेट का माहौल सारा ने बताया कि आदित्य ने सेट पर इतना प्यारा और सुरक्षित माहौल बनाया कि वे बेझिझक बड़े-बड़े सपने देख सकीं। उन्होंने कभी आवाज नहीं चढ़ाई, हमेशा शांत रहकर सबको जोड़े रखा। सारा ने लिखा, 'आप तूफान से पहले की खामोशी नहीं, आप वो खामोशी हैं जिसने तूफान पैदा किया।' खुद को लकी मानती हैं सारा सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई। आदित्य धर का जवाब सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, 'वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और 'धुरंधर' को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट-2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है। बस याद रखना- हम यहां आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत छोड़ने आए हैं, इसलिए कभी समझौता मत करना।'

भय ट्रेलर वायरल–गौरव तिवारी की कहानी ने दर्शकों को किया दीवाना

अलमाइटी मोशन पिक्चर्स की आगामी पैरानॉर्मल थ्रिलर भय- ए गौरव तिवारी मिस्ट्री रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े फिल्ममेकर और अभिनेता जैसे राम गोपाल वर्मा, आनंद एल राय, वरुण शर्मा, जरीन खान, हिमांशु मेहरा, हंसल मेहता, अशोक पंडित और कई अन्य ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर को उत्साहपूर्ण तरीके से साझा किया है। सीरीज में करण टक्कर और कल्कि मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिनके साथ सलोनी बत्रा, डैनिश सूद, निमेश नायर, घनश्याम गर्ग और अन्य प्रतिभाशाली कलाकार कहानी में गहराई और प्रामाणिकता जोड़ते हैं। भारत के पहले पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर गौरव तिवारी के जीवन पर आधारित यह शो उनके क्रांतिकारी केसों, रहस्यमय अनुभवों और मात्र 31 वर्ष की आयु में हुई उनकी संदिग्ध मृत्यु के इर्द-गिर्द बुना गया है। निर्देशक रॉबी ग्रेवाल ने प्रोजेक्ट के बारे में अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहारू ह्लयह एक असाधारण यात्रा थी। मैं गौरव से एक बार मिला था और हम साथ में कुछ करने की योजना बना रहे थे। उनकी अचानक मौत ने एक खालीपन छोड़ दिया। जब प्रभलीन ने मुझे यह कहानी बताई, तो मैं कुछ क्षणों के लिए ठहर गया शायद किस्मत चाहती थी कि मैं ही उनकी कहानी दुनिया के सामने लाऊं। अलमाइटी मोशन पिक्चर की सह-संस्थापक और निमार्ता प्रभलीन संधू ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहारू ह्लइस शो को हर स्तर पर तैयार करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन निर्देशक रॉबी ग्रेवाल और अमेजन एमएक्स प्लेयर की बेहतरीन टीम कृ अमोघ दूदस, अरुणा दयार्नजी, आनंद जैन की बदौलत यह सीरीज ईमानदार नीयत और साहसिक विजन के साथ बन पाई। ट्रेलर ने 24 घंटे के भीतर ही 1 करोड़. व्यूज पार कर लिए, जो दर्शकों के बीच जोरदार उत्सुकता और बेहतरीन ऑर्गेनिक रिस्पॉन्स का संकेत देता है।

पाकिस्तानी हीरोइन को पब्लिसिटी की भूख, रणवीर की 'धुरंधर' से जोड़ा अपना नाम; यूजर्स ने किया ट्रोल

पाकिस्तानी अभिनेत्री हीरा सोमरू रणवीर सिंह की धुरंधर के सहारे पब्लिसिटी पाने चली थीं। लेकिन उनका ये प्रयास उन्हें ही महंगा पड़ गया है, क्योंकि नेटिजेंस ने एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल कर दिया है। जानिए हीरा सोमरू ने ऐसी क्या हरकत की... रणवीर सिंह की हालिया रिलीज फिल्म धुरंधर को लेकर इस समय लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। लेकिन अब ऐसा लगता है कि धुरंधर की लोकप्रियता देखकर पाकिस्तानियों को मिर्ची लग रही है। तभी तो वहां के कलाकार भी एआई द्वारा तैयार की गई फर्जी तस्वीरें साझा करके, फिल्म को पाकिस्तानी विरोधी बता रहे हैं। साथ ही खुद भी लाइमलाइट पाना चाह रहे हैं। कुछ ऐसा ही पाकिस्तानी अभिनेत्री हीरा सोमरू ने भी किया है। हालांकि, इसके बाद अब वो जमकर ट्रोल हो रही हैं और भारतीय यूजर्स उनका मजाक उड़ा रहे हैं। हीरा सोमरू ने शेयर की एआई से तैयार की गई तस्वीरें पाकिस्तानी हीरोइन हीरा सोमरू ने अपने इंस्टाग्राम पर रणवीर सिंह के साथ कुछ एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में रणवीर सिंह धुरंधर के लुक में नजर आ रहे हैं। तस्वीरें रोमांटिक हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए हीरा सोमरू ने कैप्शन में लिखा, अब आलोचक कहेंगे कि ये तस्वीरें एआई द्वारा तैयार की गई हैं। असल में मुझे धुरंधर फिल्म में कास्ट किया गया था। लेकिन जैसी ही मुझे एह सास हुआ कि यह एक पाकिस्तानी विरोधी फिल्म है, मैंने इसे मना कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने खुद को प्राउड पाकिस्तानी भी बताया है। हीरा सोमरू ने धुरंधर और रणवीर सिंह का सहारा लेकर पब्लिसिटी पानी चाही। लेकिन उनकी इन तस्वीरों और कैप्शन को देखने के बाद वो लोगों के निशाने पर आ गई हैं। ऐसी पकड़ी गई पाकिस्तानी एक्ट्रेस की चोरी हीरा सोमरू ने एआई से ये तस्वीरें तैयार की हैं इसका जवाब खुद उनकी एक तस्वीर में मिलता है, जिसमें उनके कान के नीचे भी एक और कान दिखाई दे रहा है। यानी एक तरफ ही हीरा सोमरू के दो कान दिख रहे हैं। इस तस्वीर के चलते पाकिस्तानी अभिनेत्री की चोरी पकड़ी गई और भारतीयों ने उनके मजे लेने शुरू कर दिए। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, बाजी दूसरी वाली फोटो में आपके कान के नीचे किसी और का कान रह गया है। याद से हटा दीजिएगा। जबकि एक अन्य यूजर ने पूछा कि इतनी भी क्या मजबूरी थी?